बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 220 | शनिवार 30 नवंबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

4 दिन में 40 मिनट ही चली संसद की कार्यवाही

-विपक्ष ने अडाणी और संभल पर सरकार को घेरा

नई दिल्ली।

18वीं लोकसभा का पहला पहला संसद शीतकालीन सत्र काफी हंगामादार है। चार दिनों में महज 40 मिनट तक ही सत्र चल सका है। अडाणी रिश्वत कांड और संभल मस्जिद सर्वे हिंसा को लेकर विपक्ष के लगातार हंगामा के बाद सदन को 2 दिसंबर तक स्थगित कर दिया गया है। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष लगातार अडाणी और संभल मुद्दा को उठा रहा जिसको लेकर हंगामा हो रहा। संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत 25 नवंबर को हुई थी। 4 दिन में सदन की कार्यवाही सिर्फ 40 मिनट चली। हर दिन औसतन करीब 10 मिनट तक सदन में कामकाज हुआ। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने अडाणी और संभल मुद्दा उठाया। विपक्षी सांसद कार्यवाही के दौरान लगातार हंगामा करते रहे। स्पीकर ने कई बार उन्हें बिठाने की कोशिश की, मगर विपक्ष शांत नहीं हुआ। शुक्रवार को स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। मैं आशा करता हूं सभी सदस्य सदन को चलने देंगे। देश की जनता संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है। सदन सबका है, देश चाहता है संसद चले। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार (2 दिसंबर) तक स्थगित कर दी गई।

सरकार बड़ा दिल दिखाए, विपक्ष को सुने

संसद के दोनों सदनों के स्थगित होने पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि सरकार बड़ा दिल दिखाएगी और विपक्ष को महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने का मौका देगी। सरकार को ऐसा तरीका खोजना चाहिए, जिससे विपक्ष अपनी बात कह सके और सरकार अपनी बात रख सके।

सरकार चर्चा की तारीख बताए

कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि वह कौन सा मुद्दा उठाना चाहती है और कब। क्या सरकार ने कहा था कि अडाणी, मणिपुर, संभल, चीन और विदेश नीति पर चर्चा होगी? सरकार की तरफ से कुछ नहीं आया। उन्होंने न तो विषय स्पष्ट किया और न ही तारीख। जिस दिन वे विषय और तारीख स्पष्ट कर देंगे, हम सदन चला पाएंगे। लेकिन हम सरकार में एक नया अहंकार देख रहे हैं।

विपक्ष की नारेबाजी खराब मिसाल पेश कर रही

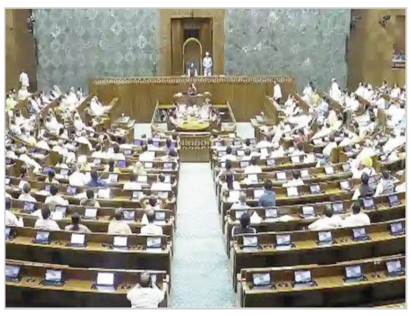

राज्यसभा में विपक्षी सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। हम बहुत खराब मिसाल कायम कर रहे हैं। हमारे काम जनता-केंद्रित नहीं हैं। हम अप्रासंगिकता की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सरकार नहीं चाहती कि संसद चले

संसद के शीतकालीन सत्र पर समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने कहा, सरकार अडाणी, संभल और मणिपुर से जुड़े मुद्दों पर चर्चा से भाग रही है। जब सरकार नहीं चाहती कि संसद चले तो वह कैसे चल सकती है?

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करे।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं.:-9911733939

『सुविचार』

क्या है जिंदगी ?
जीवन का पहला पड़ाव है जिंदगी
उस पहले पड़ाव से मिलो तक लंबा सफर
तय करने का नाम है जिंदगी।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के एक स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी, बच्चों को जल्दी घर भेजा

नई दिल्ली । दिल्ली के स्कूल को मेल पर फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। रोहिणी स्थित वेंकेटेश्वर ग्लोबल स्कूल के पास शुक्रवार को एक मेल आया जिसमें स्कूल को उड़ाने की धमकी दी गई है। स्कूल प्रशासन ने धमकी की जानकारी देकर बताया कि हमें धमकी भरा ईमेल मिला है, इसकारण छात्रों को जल्दी घर भेजा जा रहा है। स्कूल प्रशासन ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। किसी को भी घबराने की कोई जरूरत नहीं है। स्कूल प्रशासन ने हालत को कंट्रोल बच्चों के माता-पिता को सूचना दी। स्कूल ने लिखा कि प्रिय अभिभावकों, स्कूल को एक आपातकालीन ईमेल (धमकी भरा ईमेल) मिला है, इसकारण छात्रों को जल्दी घर भेजा जा रहा है। बस और स्वयं घर जाने वाले छात्रों को 11 बजे स्कूल छोड़ने की अनुमति होगी। जिन्हें इंतजार करने की आवश्यकता है, उन्हें गेट 2 के पास इंतजार करने की अनुमति होगी। सभी से अनुरोध है कि वे उचित व्यवस्था करें। स्थिति नियंत्रण में है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली में स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी बीते कुछ महीनों में कई बार मिली है। हालांकि सभी बाद में फर्जी मली है। वहीं दिल्ली पुलिस ईमेल की जांच करेगी,जिससे पता लग सके कि इसके पीछे कौन है?

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मुख्य शूटर गौतम का लॉरेंस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई । एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में नया मोड़ आ गयास है। एनसीपी नेता की हत्या में शामिल आरोपी ने बड़ा दावा कर दिया है। आरोपी ने दावा किया है कि जब बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची जा रही थी, तब गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मुख्य शूटर गौतम ने अधिकारियों को बताया कि हत्या की योजना बनाने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है। शूटर ने बताया कि इस दौरान बिश्नोई ने शूटर को हत्या के बाद पुलिस से डरने की जरूरत नहीं की बात कही थी। लॉरेंस ने गौतम से कहा था कि अगर वह पकड़ा जाता है, तब भी वह घबराए नहीं, उस जेल से कुछ ही दिनों में बाहर निकल गया। शूटर गौतम ने बताया कि बिश्नोई ने हत्या के लिए उस 12 लाख रुपये देने का वादा किया था। इसके अलावा, जेल से बाहर आने के बाद विदेश भेजने की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया था। गौतम के अनुसार बिश्नोई ने बताया कि उसके पास वकीलों की एक टीम है, जो उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ ही दिनों में रिहा करवा देगी।

मणिपुर में 13 दिन बाद खुले स्कूल-कॉलेज

इंफाल। 13 दिनों तक बंद रहने के बाद इम्फाल और जिरीबाम में स्कूल और कॉलेज शुक्रवार को फिर से खुल गए। एजुकेशन डायरेक्टरेट ने गुरुवार को इंफाल ईस्ट, इंफाल वेस्ट, बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल और जिरीबाम जिलों में स्कूल दोबारा खोले जाने का आदेश दिया था। हायर एंड टेक्निकल एजुकेशन डिपार्टमेंट ने भी सभी सरकारी सहायता प्राप्त कॉलेज और स्टेट यूनिवर्सिटीज को शुक्रवार से ही खोलने के आदेश जारी किया था। जिरीबाम में सुरक्षा बलों और कुकी उग्रवादियों के बीच गोलीबारी के बाद 16 नवंबर से ही सभी स्कूल और कॉलेज बंद थे। झड़प में 10 उग्रवादी मारे गए थे। इसके बाद उग्रवादी राहत शिविर से एक मैतेई परिवार के छह लोगों को अगवा कर ले गए थे। कुछ दिनों बाद मणिपुर और असम में जिरी और बराक नदियों में उनके शव मिले थे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को जान से मारने की धमकी

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले व्यक्ति ने मदन राठौड़ को शुक्रवार सुबह कॉल किया। फोन उठाते ही सामने वाले व्यक्ति ने मदन राठौड़ को अपशब्द कहना शुरू कर दिए। कॉल करने वाले व्यक्ति ने राठौड़ को कहा- तू बहुत उछल-कूद कर रहा है। तुझे गोली मार दूंगा। राज्यसभा में इसलिए भेजा है क्या? मदन राठौड़ ने फोन करने वाले व्यक्ति के खिलाफ दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है। पुलिस अब फोन करने वाले व्यक्ति को ट्रेस कर रही है। घटना के बाद सीएम भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल सहित भाजपा के कई नेताओं ने फोन करके मदन राठौड़ से घटना की जानकारी ली।

कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा

कांग्रेस में ऊपर से नीचे तक बदलाव की जरूरत

हमें चुनावी रणनीति में भी सुधार करना होगा, माहौल पक्ष में मतलब जीत की गारंटी नहीं

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में करारी हार को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की दिल्ली में मीटिंग हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने कहा कि चुनाव परिणामों से निराश नहीं होना चाहिए। पार्टी को मजबूत करने के लिए ऊपर से लेकर नीचे तक बदलाव की जरूरत है। खडग़े ने बैठक में एक बार फिर ईवीएम पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ईवीएम ने चुनाव प्रक्रिया को संदिग्ध बना दिया है, चुनाव आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना चाहिए।

खडग़े ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कोई भी अंकगणित परिणामों को सही नहीं ठहरा सकता। लोकसभा चुनाव में जिस तरह से महाविकास अघाड़ी ने प्रदर्शन किया, उस हिसाब से विधानसभा के परिणाम देखकर चुनावी पंडित भी भ्रमित हैं। खडग़े ने कहा कि राज्य चुनावों में उम्मीद से कम प्रदर्शन हमारे लिए चुनौती है। पार्टी नेताओं में एकता की कमी, एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी चुनावों में हमें नुकसान पहुंचा रही है, इस पर सख्त अनुशासन की जरूरत है। पार्टी को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर से लेकर एआईसीसी तक बदलाव लाने होंगे।

माहौल पक्ष में मतलब जीत की गारंटी नहीं

खडग़े ने बैठक में कहा कि चुनाव का माहौल हमारे पक्ष में होने से जीत की गारंटी नहीं मिलती। टाइम बाउंड स्ट्रैटेजी बनाने और पार्टी को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। विधानसभा चुनावों के लिए एक साल पहले से तैयारी करनी होगी, मतदाता सूचियों की जांच करनी होगी।

हमें अपनी चुनाव रणनीति में सुधार करना होगा

खडग़े ने कहा कि महाराष्ट्र में कोई भी अंकगणित परिणामों को सही नहीं ठहरा सकता। एमवीए के लोकसभा चुनाव के परिणामों के बाद चुनाव पंडित भ्रमित हैं। हमें अपनी चुनाव रणनीति में सुधार करना होगा। दुष्प्रचार, गलत सूचना का मुकाबला करने के तरीके विकसित करने होंगे।

कांग्रेस के लिए सत्ता में आना महत्वपूर्ण

खडग़े ने कहा कि कांग्रेस के लिए सत्ता में आना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे देश भर में लोगों के एजेंडे को लागू करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के अच्छे नतीजों के बाद विधानसभा चुनाव के नतीजों ने हमें झकझोर दिया, हमें कड़े कदम उठाने होंगे।

मणिपुर से लेकर संभल तक बहुत गंभीर मसले हैं

खडग़े ने कहा कि बातें बहुत सी हैं। मणिपुर से लेकर संभल तक का बहुत गंभीर मसले है। बीजेपी देश का ध्यान अपनी विफलताओं से भटकाने के लिए कई धार्मिक मुद्दों को विभिन्न माध्यमों से हवा देने की कोशिश कर रही है। हमें सत्ता में बैठी विभाजनकारी ताकतों को हर हालत में हराना है। क्योंकि हमने ये शानदार देश बनाया है।

केंद्र से 1.36 लाख करोड़ की वसूली करेगा झारखंड : सीएम हेमंत

रांची।

झारखंड में नए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शपथ लेते ही केंद्र सरकार को निशाने पर लिया है। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि झारखंड सरकार केंद्र सरकार से कोयले की 1.36 लाख करोड़ रुपए की वसूली करेगी। बता दें कि सोरेन ने 2 नवंबर को एक्स पर लिखा था कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री झारखंड आ रहे हैं। मैं उनसे एक बार फिर हाथ जोड़कर विनती करता हूं कि वे प्रदेश के लोगों का 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया (कोयला बकाया) चुकाएं। यह रकम झारखंड के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।सोरेन ने वर्तमान सरकार की मंत्रिमंडल की पहली बैठक के निर्णयों की मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र के पास राज्य के लंबित 1.36 लाख करोड़ रुपये वसूलने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। हालांकि, मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कैबिनेट बैठक में लिया गया, लेकिन दिन में किसी भी मंत्री ने शपथ नहीं ली। दोबारा निर्वाचित होने के बाद सोरेन की पहली आधिकारिक बैठक मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई, जहां उन्होंने राज्य के मामलों पर चर्चा की और सोरेन ने प्रधानमंत्री को अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया।

दिल्ली हाई कोर्ट के चीफजस्टिस मनमोहन बनेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने सर्वसम्मति से दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन को सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एकमत से यह प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा है। न्यायमूर्ति मनमोहन दिल्ली और जम्मू कश्मर के पूर्व राज्यपाल जगमोहन के बेटे हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस मनमोहन के प्रमोशन की सिफारिश की है। जस्टिस दिल्ली हाईकोर्ट के सबसे सीनियर जज हैं। कॉलेजियम ने इस पर विचार किया कि, मौजूदा समय में सुप्रीम कोर्ट में इस समय जजों के कुल 34 पदों में से 2 पद खाली हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच का प्रतिनिधित्व दिल्ली उच्च न्यायालय के केवल एक न्यायाधीश द्वारा किया जाता है। यही कारण है कि जस्टिस मनमोहन के नाम की सिफारिश की गई है। जस्टिस मनमोहन ऑल इंडिया सीनयॉरिटी लिस्ट में दूसरे नंबर पर आते हैं। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने यह प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की पहली कॉलेजियम बैठक में यह फैसला लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने एकमत से यह प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजा है। इस कॉलेजियम के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति हरिकेश रॉय और न्यायमूर्ति ए एस ओका शाामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट में इस समय जजों के कुल 34 पदों में से 2 पद खाली हैं। इन्हीं दो पदों में से एक पद के लिए जस्टिस मनमोहन का नाम सुझाया गया है। जस्टिस मनमोहन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के रहने वाले हैं और उनका जन्म 17 दिसंबर 1962 को हुआ। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा बाराखंभा रोड स्थित मॉडर्न स्कूल से की है। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से इतिहास में बीए (ऑनर्स) से ग्रेजुएशन किया। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी के कैंपस लॉ सेंटर से 1987 में एलएलबी की डिग्री हासिल की और उसी साल दिल्ली बार काउंसिल में अधिवक्ता के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया। जस्टिस मनमोहन जम्मू कश्मीर और दिल्ली के पूर्व राजयपाल जगमोहन मल्होत्रा के बेटे हैं।

झारखंड चुनाव में कल्पना सोरेने ने किया गेम चेंजर का काम, जमकर किया प्रचार

-बीजेपी महिला मोर्चा की नेता करती रहीं टेबल पॉलिटिक्स, जेएमएम ने कर दिया खेल

रांची।

विधानसभा चुनाव में झामुमो गठबंधन के लिए मंईयां सम्मान योजना और कल्पना सोरेन के प्रचार अभियान ने गेम चेंजर का काम किया है। चुनाव से दो माह पहले राज्य सरकार ने महिलाओं के खाते में एक हजार रुपए की राशि भेजी थी, जबकि हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद कल्पना सोरेन के तौर पर झामुमो को नया नेता मिल गया। वहीं इस बार बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश कमेटी की ज्यादातर नेता टेबल पॉलिटिक्स करती नजर आईं। बीजेपी के पास एक संगठित महिला मोर्चा है। इसमें 15 के करीब प्रदेश पदाधिकारी और 100 के करीब कार्यसमिति सदस्य हैं। यह पार्टी का मुख्य मोर्चा है, लेकिन विधानसभा चुनाव में महिला मोर्चा की प्रमुख नेता प्रदेश कार्यालय में ही डायरी और फोन पर बात करती रहीं। बीजेपी ने महिला मतदाताओं से कनेक्ट के लिए गोगो दीदी योजना के तहत प्रतिमाह 2100 रुपए देने का वादा किया था। इसके लिए महिलाओं से फार्म भी भरवाए गए, लेकिन महिला मोर्चा इस काम में भी दर्शक ही बना रहा। प्रदेश महिला मोर्चा में सक्रिय नेता ने बताया कि गोगो दीदी योजना के प्रचार प्रसार के लिए महिला मोर्चा को प्रति विधानसभा एक लाख यानि कुल 81 लाख की राशि मिली लेकिन तीन पदाधिकारियों के अलावा इसके बारे में किसी को जानकारी हो कि यह खर्च कहां हुए। इसके बावजूद महिला मोर्चा की कार्यकर्ता अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र में जाकर प्रचार करती रहीं। महिला मोर्चा की एक कार्यकर्ता का दर्द है कि ऊपर की पदाधिकारी कांजीवरम और सिल्क की साड़ियां गिफ्ट में लेने में लगीं रहीं। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री और उपाध्यक्ष में से कई रांची में ही रहती हैं। इनमें से ज्यादातर अपनी बूथ तक पर पार्टी को पार्टी को बढ़त नहीं दिला सकीं। महिला मोर्चा में पद लेने के बाद सेल्फी और फोटो को ही इंटरनेट मीडिया पर अपलोड करना मुख्य काम मान लिया गया है। यही वजह है कि इन महिला नेताओं का ग्राउंड पर कोई कनेक्ट नहीं है। जबकि जेएमएम के पास कल्पना सोरेन जैसी स्टार प्रचारक के अलावा महुआ माजी, जोबा माझी जैसी जमीनी नेता मौजूद हैं।

फेंगल तूफान का असर, भारत के कई हिस्सों में हो सकती है तेज बारिश

– तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए चेतावनी जारी, स्कूल किए बंद

चेन्नई।

साइक्लोन फेंगल का असर भारत के कई हिस्सों में नजर आने लगा है। इसके चलते कुछ इलाकों में भारी बारिश के आसार हैं। तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए चेतावनी जारी की गई है। इन जगहों पर स्कूल बंद कर दिए गए हैं। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक फिलहाल फेंगल साइक्लोन बंगाल की खाड़ी में तेज हो रहा है। अगले 48 घंटों में इसके चलते तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होगी। तमिलनाडु के तटीय इलाकों, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश प्रदेश में बाढ़ की भी चेतावनी दी गई है। पुडुचेरी के गृहमंत्री ए नामासिवायम ने सभी स्कूलों में अगले दो दिन के लिए छुट्टी की घोषणा कर दी है।

चेन्नई क्षेत्रीय मौसम केंद्र के निदेशक ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में दबाव का क्षेत्र बन रहा है। यह नागापट्टिनम दक्षिण पूर्व से करीब 310, पुडुचेरी दक्षिण पूर्व से 410 किमी और चेन्नई से 480 किमी की दूरी पर है। फेंगल को लेकर तमिलनाडु में चेतावनी जारी की गई है। इसके मुताबिक निचले और तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षा मानकों का पालन करने को कहा गया है।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने अपने बयान में कहा कि फेंगल तूफान श्रीलंका तट से होते हुए करीब उत्तर-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ेगा। अगले 12 घंटों में एक चक्रवाती तूफान में तब्दील हो जाएगा। 30 नवंबर सुबह के यह गहन दबाव क्षेत्र के रूप में कराईकल और महाबलीपुरम के बीच उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तटों को पार करेगा। इस दौरान 50-60 से लेकर 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है।

मौसम विभाग के मुताबिक दो दिन तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में तेज बारिश हो सकती है। इसमें दक्षिण आंध्र प्रदेश, यणम और रायलासीमा में तेज बारिश का अनुमान है। 30 नवंबर और एक दिसंबर को केरल, माहे और दक्षिणी कर्नाटक के साथ-साथ तमिलनाडु, पुडेचुरी और करैकल

में बहुत तेज बारिश होने का अनुमान है। हालात पर इसरो 23 नवंबर से ही नजर रख रहा है। लोगों की मदद के लिए नेवी, एचएडीआर और एसएआर की टीमें तैना की गई हैं। एनडीआरएफ ने कहा कि उसकी टीम ने अधिकारियों के साथ टीआर पत्तनम, कराईकल में संवेदनशील और निचले इलाकों का निरीक्षण कर जोखिम आकलन तथा सुरक्षा उपायों पर चर्चा की।

जलवायु परिवर्तन के खतरों से बच्चों को बचाएं

ललित गर्ग

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा।

हाल ही में प्रस्तुत हुई यूनिसेफ की रिपोर्ट ह्यद फ्यूचर ऑफ चिल्ड्रेन इन चेंजिंग वर्ल्डह्ण ने भारत में बच्चों के भविष्य को लेकर उत्पन्न चुनौतियों, त्रासद स्थितियों एवं भयावह भविष्य को उजागर किया है। इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है कि साल 2050 तक भारत में 35 करोड़ बच्चे जनसांख्यिकीय बदलावों, जलवायु संकट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीकी बदलावों की चुनौतियों का सामना कर रहे होंगे। उस समय जन्म लेने वाले बच्चों को जन्म के बाद जीवन में जलवायु परिवर्तन के संकटों से जुझना होगा, भीषण लू, गरमी, बाढ़, तूफान, चक्रावात और अनेक जलवायु जनित बीमारियों से सामना करना होगा। वायु प्रदूषण की विभीषिका, गहराते जल संकट, सिमटते प्राकृतिक संसाधन, जलवायु परिवर्तन व रोजगार की विसंगतियों के बीच आने वाली पीढ़ी के बच्चों का जीवन निस्संदेह संघर्षपूर्ण, चुनौतीपूर्ण एवं संकटपूर्ण होगा। वर्ष 2021 में बच्चों के जलवायु जोखिम सूचकांक में भारत कुल 163 देशों की सूची में 26वें स्थान पर था। ऐसे में भारत में बच्चों को अधिक गर्मी, बाढ़ और वायु प्रदूषण से गंभीर जोखिम का सामना करना पड़ता है। खासकर ग्रामीण और कम आय वाले समुदायों में यह संख्या ज्यादा है। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 2050 में बच्चों को 2000 के दशक की तुलना में लगभग आठ गुना ज्यादा गर्मी झेलनी पड़ सकती है। जाहिर है, जलवायु संकट बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, चिकित्सा तथा पानी जैसे आवश्यक संसाधनों तक उनकी पहुंच पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। चिंता की बात यह है कि इन तमाम विसंगतियों, विषमताओं व नेतृत्व की अदूरदर्शिता के बीच बच्चों के भविष्य पर मंडरा रहे खतरों के लिये संवेदनशीलता के साथ सावधान एवं सतर्क होने एवं उचित-प्रभावी कार्ययोजना बनाने की जरूरत है।

इसी तरह, गहरे डिजिटल विभाजन के बीच एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों के लिए अच्छी और बुरी, दोनों हो सकती है। एक ताजा आंकड़ा बताता है कि उच्च आय वाले देशों में 95 फीसदी आबादी इंटरनेट से जुड़ी है, तो निम्न आय वाले देशों में सिर्फ 26 प्रतिशत लोगों की इंटरनेट तक पहुंच है। भारत में वर्तमान में इंटरनेट की व्यापकता ने बच्चों के जीवन में अनेक संकट खड़े किये हैं। यूनिसेफ ने इस डिजिटल डिवाइड को पाटने और बच्चों तक नयी प्रौद्योगिकियों की सुरक्षित एवं समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए समावेशी प्रौद्योगिकी पहल की वकालत की है। बच्चे चूंकि हमारा भविष्य हैं, इसलिए बच्चों और उनके अधिकारों को सरकारी नीतियों-रणनीतियों के केंद्र में रखना समृद्ध और टिकाऊ भविष्य के निर्माण एवं संतुलित-आदर्श समाज-व्यवस्था के लिए आवश्यक है। अक्सर यह सवाल विमर्श में होता है कि धरती के प्रति गैर-जिम्मेदार व्यवहार के चलते हम कैसा देश आने वाली पीढ़ियों के लिये छोड़कर जाएंगे। आने वाले पच्चीस वर्षों में बच्चों पर लू का 8 गुणा, बाढ़ का 3 गुणा एवं जंगली आग का दोगुणा खतरा होगा। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ ने बच्चों के भविष्य की तस्वीर उकेरते हुए विभिन्न चुनौतियों के मुकाबले के अनुरूप नीति निर्माण की जरूरत बतायी है। यूनिसेफ ने सदी के पांचवें दशक तक की तीन महत्वपूर्ण वैश्विक प्रवृत्तियों का खाका खींचा है। ये घटक नौनिहालों के भविष्य के जीवन को नया स्वरूप देने में अहम भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 2050 तक देश की आधी आबादी के शहरी क्षेत्रों में रहने का अनुमान है। दरअसल, मौजूदा दौर में जिस तेजी से गांवों से शहरों की ओर पलायन बढ़ रहा है, जाहिर है ऐसी स्थिति में पहले से आबादी के बोझ तले दबी नागरिक सेवाएं चरमरा जाएंगी। ऐसे में सत्ताधीशों के लिये जरूरी होगा कि जलवायु परिवर्तन के संकट के बीच बच्चों के अनुरूप शहरी नियोजन को अपनी प्राथमिकता बनाएं और बच्चों के अनुकूल और जलवायु परिवर्तन के लिहाज से जुझारु, सुरक्षित एवं निरापद शहरी नियोजन के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल और टिकाऊ शहरी ढांचे में निवेश को प्राथमिकता दी जाये। शहर बेहतर जीवन के लिए बेहतरीन अवसर और उम्मीद दे सकते हैं। वे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 80 प्रतिशत से अधिक उत्पन्न करते हैं और उन्हें तेजी से विकास हासिल करने के लिए इंजन माना जाता है। वे विकास और नवाचार, विविधता और कनेक्टिविटी के दुनिया के सबसे मजबूत स्त्रोतों में से हैं और संभावित रूप से बच्चों को जीने, सीखने और आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान कर सकते हैं।

बढ़ता शहरीकरण बड़ी असमानताओं को भी जन्म दे सकते हैं। आज शहरी क्षेत्रों में रहने वाले 4 बिलियन लोगों में से लगभग एक तिहाई बच्चे हैं। यह अनुमान है कि 2050 तक, दुनिया के लगभग 70 प्रतिशत बच्चे शहरी क्षेत्रों में रहेंगे, जिनमें से कई झुग्गी-झोपड़ियों में रहेंगे। इसलिये शहर स्कूलों और अस्पतालों जैसी बुनियादी सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान कर सकते हैं, भीड़भाड़ और उच्च प्रवेश लागत के कारण सबसे गरीब शहरी बच्चे उन तक पहुंचने में असमर्थ हो सकते हैं। अन्य चुनौतियाँ जो शहरी गरीबों को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों को, उनमें भीड़भाड़ और अपर्याप्त सफाई व्यवस्थाएं शामिल हैं-जो बीमारियों के फैलने में सहायक होती हैं- किफायती और सुरक्षित आवास की कमी, परिवहन की खराब पहुंच और बाहरी वायु प्रदूषण में वृद्धि आदि हैं। उल्लेखनीय है कि उस समय देश जनसांख्यिकी बदलावों की चुनौती से जूझ रहा होगा। आकलन किया जा रहा है कि इस बदलाव के चलते ही वर्तमान की तुलना में बच्चों की संख्या में करीब दस करोड़ की कमी आएगी। वर्तमान में पूरी दुनिया में एक अरब बच्चे उच्च जोखिम वाले जलवायु खतरों का मुकाबला कर रहे हैं, तो अगर सरकारें अभी से नहीं चेती तो 2050 की स्थिति का सहज आकलन किया जा सकता है। मासूम चेहरों एवं चमकती आंखों का नया बचपन भारत के भाल पर उजागर एवं कायम करने के लिये सरकारों को गंभीर होना होगा।

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्षों के दौरान आधुनिक मानवतावाद और पूंजीवाद से प्रभावित होकर प्रदर्शन पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है। इससे परिवारों और बाल देखभाल प्रदाताओं पर अनावश्यक दबाव पड़ता है। वर्तमान में मौजूद रहने के बजाय, लोग भविष्य के बारे में सोचने में अधिक से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं। और ज्यादातर मामलों में वे इस बारे में नहीं सोच रहे हैं कि व्यापक अर्थों में सफल जीवन कैसा हो सकता है, बल्कि इसके बजाय वे स्कूल और कार्यस्थल में सफलता के बारे में सोच रहे हैं। यह कुछ कौशलों पर बहुत अधिक जोर देता है, जबकि अन्य-जैसे रचनात्मकता, सामाजिक क्षमता, जीवनमूल्य और उत्साह-को कम महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि वे अधिक उन्नत शैक्षणिक ट्रैक या अधिक प्रतिष्ठित करियर में चयन के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। इसका परिणाम यह होता है कि बच्चों में कई प्रतिभाएँ अविकसित रह जाती हैं। अगर समाज को भविष्य की चुनौतियों का सामना करना है-चाहे वह भविष्य आखिरकार कैसा भी क्यों न हो, तो भविष्य के खतरों की आहट को सुनते हुए जागरूक होना होगा। साफ है, नीति के स्तर पर प्रदूषण एवं बदलते मौसम की मार के लिये काम करना होगा। कम से कम भविष्य या बच्चों के लिये तो ऐसा किया ही जाना चाहिए।

निश्चित ही यूनिसेफ की हालिया रिपोर्ट बच्चों के भविष्य की चिंताओं पर मंथन करने तथा उसके अनुरूप नीति-नियंताओं से नीतियां बनाने का सबल आग्रह करती है। तेजी से डिजिटल होती दुनिया में डिजिटल विभाजन भी एक बड़ी चुनौती होगी। तब तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग चरम पर होगा। जाहिर है कृत्रिम बुद्धिमत्ता जहां तरक्की का मुख्य साधन होगी, वहीं इसकी विसंगतियों का प्रभाव रोजगार के अवसरों एवं सामाजिक-पारिवारिक संरचना पर भी पड़ेगा। जहां दुनिया के विकसित देशों में अधिकांश आबादी इंटरनेट से जुड़ने के कारण प्रगति की राह में सरपट दौड़ रही है, तो गरीब मुल्कों में यह प्रतिशत विकसित देशों के मुकाबले करीब एक चौथाई ही है। ऐसे में समतामूलक आदर्श समाज की स्थापना के लिये डिजिटल डिवाइड को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके मद्देनजर हमारी कोशिश हो कि आधुनिक प्रौद्योगिकी का स्वरूप समावेशी हो। ताकि आधुनिक तकनीक तक बच्चों की समान व सुरक्षित पहुंच हो सके। निर्विवाद रूप से बच्चे आने वाले कल के लिये देश का भविष्य निर्धारक होते हैं। ऐसे में हर लोक कल्याणकारी सरकार का नैतिक दायित्व है कि अपनी रीतियों-नीतियों में बच्चों के हितों व अधिकारों को प्राथमिकता दे। तभी हम उनके सुखद भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

लोकतंत्र का दमन

हिंसा और दमन जुड़वां भाई हैं। पाकिस्तान में लोकतंत्र को कुचलने के लिए एक बार फिर इनका इस्तेमाल किया गया। जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई के लिए चलाई जा रहे शांतिपूर्ण आंदोलन के खिलाफ सुरक्षा बलों की हिंसात्मक कार्रवाई में चार लोग मारे गए और सैकड़ों लोग घायल हो गए। अंततः पीटीआई को अस्थाई तौर पर आंदोलन को रोकने की घोषणा करनी पड़ी। सैन्य सत्ता प्रतिष्ठान समर्थित शाहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन की सरकार और पीटीआई कार्यकताओं के बीच लंबे समय से टकराव और संघर्ष चल रहा है। पार्टी के कार्यकर्ता पिछले तीन दिनों से अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। इस विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए सरकार जगह-जगह अवरोध खड़े करके हजारों सुरक्षाकर्मियों को तैनात किए तैनात किए थे। बावजूद इसके पीटीआई के उत्साही कार्यकर्ता राजधानी इस्लामाबाद के मशहूर डी-चौक और इसके आसपास के इलाकों में पहुंच गए थे। इमरान खान कभी पाकिस्तान के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान के चहेते थे और उसके समर्थन से प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन जब उन्होंने मुखौटा लोकतंत्र की जगह वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना के लिए अपना कदम बढ़ाना शुरू किया तो सेना प्रतिष्ठान की किरकिरी बन गए। यही वह मोडक्ष है जहां से उनके हाथ से राजनीति फिसलती गई और उन्हें एक के बाद एक राजनीतिक और वैधानिक दोनों मोर्चों पर हार का सामना करना पड़ रहा है। उन पर सैकड़ों आपराधिक मुकदमे लगाए गए। चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई और उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न छिन लिया गया। फरवरी में हुए आम चुनाव में पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार संसद में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी, लेकिन पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने हाथ मिलाकर सरकार बना ली। फिलहाल सरकार और शक्तिशाली सैन्य सत्ता प्रतिष्ठान इमरान खान के साथ किसी प्रकार का राजनीतिक समझौता करने के पक्ष में दिखाई नहीं दे रहा है। राजनीतिक अस्थिरता के कारण देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। देखना है कि सत्ता प्रतिष्ठान इमरान खान की ओर से मिल रही चुनौतियों का सामना कैसे करता है?

चिंतन-मनन

सबसे बड़ी दौलत

एक विधवा अध्यापिका के दो बेटे थे। वह उन्हें गुरुकुल में अच्छी शिक्षा दिला रही थी। वह खुद भी अनेक बच्चों को संस्कृत पढ़ाती थी। इससे उसे जो कुछ प्राप्त होता था, उसी से वह अपना जीवनयापन करती थी। उसने अत्यंत गरीबी के दिनों में भी कभी किसी के आगे हाथ नहीं फैलाए। उसके स्वाभिमान को देख अनेक लोग अध्यापिका का बहुत आदर करते थे।

एक दिन एक बहुत बड़े सेठ को अध्यापिका की विद्वता व उसकी निर्धनता के बारे में मालूम हुआ। उस सेठ के कोई संतान नहीं थी। उसने सोचा हुआ था कि वह कुछ गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा प्रदान करने के लिए उन्हें धन प्रदान करेगा। सेठ अध्यापिका के घर पहुंचा और बोला, देवी, आप निर्भीक व स्वाभिमानी हैं। मैं चाहता हूं कि आपके बच्चे अच्छी शिक्षा ग्रहण करें। उसके लिए आप यह कुछ रुपये स्वीकार करें। इसके बाद उसने रुपयों की थैली अध्यापिका की ओर बढ़ाई। अध्यापिका हाथ जोड़कर सेठ से बोली, शायद आपको कुछ भ्रम हो गया है। मैं इतनी गरीब भी नहीं हूं कि अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा न दे पाऊं। मेरे पास जितनी दौलत है, उतनी शायद ही किसी के पास हो। सेठ अचरज से बोला, कहां है दौलत, जरा हमें भी तो बताइए।

अध्यापिका ने अपने दोनों पुत्रों को आवाज लगाई तो दोनों पुत्र तुरंत वहां आए और अपनी मां के पैर छूने के बाद उन्होंने सेठ के पैर छुए। फिर उन्होंने मां से पूछा, कहिए कैसे याद किया? दोनों पुत्रों की ओर देखकर अध्यापिका बोली, यही दोनों मेरी सबसे बड़ी दौलत हैं। दोनों लड़कों को देखकर सेठ अभिभूत हो गया और बोला, बिल्कुल सही। वास्तव में जिसकी संतान संस्कारी और गुणी है, वह कभी गरीब हो ही नहीं सकता। अध्यापिका ने सेठ से कहा, जो कुछ आप मुझे देने आए हैं, उसे अनाथ बच्चों को शिक्षित करने के लिए दे दें। सेठ ने वैसा ही किया।

ऑनलाइन सट्टेबाजी का बढ़ता जाल, देश में कमजोर कानून

हाल में मैं एक दंपत्ति से मिला, जो तलाक की कठिन प्रक्रिया से गुजर रहा है। पति और पत्नी दोनों ही आइआइएम से शिक्षित हैं और अपने कारपोरेट करियर में काफी सफल हैं। जब मैंने उनसे अलग होने का कारण पूछा तो जवाब सुनकर मैं चौंक गया। पति को आनलाइन जुए की लत थी। उसने अपने 20 लाख से ज्यादा रुपये आनलाइन सट्टेबाजी में खपा दिए थे और फिर पिछले दो सालों में पत्नी के खाते से भी लाखों चुरा लिए थे। सब कुछ तीन-पत्ती के एक आनलाइन सट्टेबाजी के खेल में खो गया। यह कोई अकेला मामला नहीं है। ऐसे कई उदाहरण हैं, जब मध्यम वर्ग युवा आनलाइन सट्टेबाजी और आनलाइन गेमिंग में लाखों रुपये हार चुके हैं। कई मामलों में अपने भविष्य के लिए कोई उम्मीद न देखकर, उन्होंने आत्महत्या तक कर ली। यह समस्या, गांव और शहर, दोनों ही जगह अपनी जड़ें जमा चुकी है। भारत में अब आनलाइन सट्टेबाजी का बाजार 25, 000 करोड़ सालाना का हो चुका है। आनलाइन गेमिंग उद्योग का बाजार भी लगभग इतना ही बड़ा है। तुलनात्मक रूप से देखें तो आनलाइन सट्टेबाजी और आनलाइन गेमिंग पर हर साल हम लगभग 50, 000 करोड़ खर्च करते हैं और हैरत की बात यह है कि यह आंकड़ा संपूर्ण भारत के उच्च शिक्षा बजट से भी अधिक है।

आनलाइन सट्टेबाजी को हम तीन प्रकार से देख सकते हैं। पहला आनलाइन कैसिनो। यहां पर कैसीनो की भांति ताश और अन्य प्रकार से घर बैठे मोबाइल या कंप्यूटर से जुआ खेला जा सकता है। दूसरा प्रकार है, फैंटेसी लीग गेम्स जहां पर क्रिकेट, फुटबाल और अन्य चर्चित खेल के नतीजों पर लोग सट्टा लगा सकते हैं। तीसरा प्रकार है वे साधारण आनलाइन गेम्स, जिन पर यूजर आपस में पैसा लगा सकते हैं। इस श्रेणी में लूडो, सांपसीढ़ी, बिलियर्ड, तीन पत्ती जैसे सरल खेलों को जुए के रंग में रंग दिया जाता है। भारत में आनलाइन सट्टेबाजी और जुए के इतने बड़े पैमाने पर बढ़ने का कारण क्या है?

पहला, यह कि आनलाइन जुआ खेलते समय व्यक्ति पर्दे के पीछे एक अनजान शख्स बनकर जुआ खेलता है। उसे अपनी पहचान सार्वजनिक होने का कोई अंदेशा नहीं रहता। हमारे समाज में जुआ खेलना अच्छा नहीं माना जाता और इसीलिए लोग खुलेआम जुआ खेलने में संकोच करते हैं, लेकिन जब कोई अपने मोबाइल फोन से सट्टा खेलता है तो आसपास किसी को भनक तक नहीं लगती। दूसरा कारण यह है कि आनलाइन सट्टे को संचालित करने वाली कंपनियां बेहद संगठित और निपुण तरीके से अपने मायाजाल से लोगों को रिझाती हैं। आलम यह है कि ये कंपनियां गृहणियों और कालेज जाने वाले युवाओं को सट्टा खेलकर परिवार में एक कमाऊ सदस्य बनने का झांसा देती हैं। चूंकि ये कंपनियां अब काफी बड़ी हो चुकी हैं, इसलिए मोटी रकम देकर सिनेमा और क्रिकेट जगत से बड़े-बड़े सितारों को विज्ञापन में दिखाकर और अधिक से अधिक लोगों को इस लत में घसीटती जा रही हैं। विडंबना यह है कि इस पर कोई रोक-टोक नहीं लग पा रही है। कंपनियां केवल यह बताकर कर्तव्य की इतिश्री कर लेती हैं कि इस खेल में आर्थिक जोखिम है और इसकी लत लग सकती है। तीसरा कारण सबसे विकराल है। आनलाइन सट्टेबाजी को रोकने का कानून न सिर्फ कमजोर है, बल्कि अस्पष्ट भी।

भारत में जुए को नियंत्रित करने वाला कानून पब्लिक गैंबलिंग एक्ट 1867 का बना हुआ है। इसके तहत जुआ खेलने और खिलाने वालों पर पुलिस और प्रशासन सख्त कार्रवाई कर सकता है। इस कानून में जुए की परिभाषा को लेकर भ्रम है, क्योंकि यह ह्लगेम आफ स्किलह्व और ह्लगेम आफ चांसह्व को अलग-अलग मानता है। गेम आफ स्किल में शतरंज जैसे खेल हैं, जिसमें कौशल का उपयोग होता है। इसके विपरीत वे खेल, जिनमें पांसे या लाटरी इस्तेमाल की जाती है और जो पूर्णतः भाग्य पर आधारित है, उसे ₹गेम आफ चांसर₹ कहा जाता है। भाग्य और कौशल के बीच की यह लकीर धूमिल है और आनलाइन युग में यह और भी पेचीदा हो चुकी है। इसी अस्पष्टता का लाभ उठाते हुए भारत में देखते ही देखते आनलाइन सट्टेबाजी ने अपने पांव पसार लिए हैं। आनलाइन सट्टेबाजी की कंपनियों के पीछे कई बार चीन से बड़ी मात्रा में निवेश हुआ है। ऐसी अनके कंपनियां देश के बाहर सक्रिय हैं।

आनलाइन सट्टेबाजी की लत जिस प्रकार बड़ी संख्या में लोगों को जकड़ रही है, वह सरकार और समाज के लिए गहरी चिंता का विषय बनना चाहिए। इस समस्या का समाधान क्या हो सकता है? सबसे पहले हमें जुए को नियंत्रित करने वाले कानून को आज के आनलाइन परिदृश्य के अनुरूप ढालना होगा और ऐसे उपाय करने होंगे कि जिससे आनलाइन सट्टेबाजी वाली कंपनियां मनमानी न करने पाएं। फिलहाल उन पर कोई प्रभावी रोक-टोक नहीं। हमें बच्चों और युवाओं को किसी भी प्रकार के आनलाइन सट्टे से बिलकुल दूर रखना होगा। आनलाइन गेम्स या सट्टे में कितना पैसा लग सकता है, इस पर नियंत्रण आवश्यक है। आनलाइन गेम्स मनोरंजन का स्त्रोत हो सकते हैं, पर उन्हें आय का साधन नहीं बनाया जा सकता। यह समझा जाना चाहिए कि आनलाइन सट्टे में सदैव सट्टा खिलाने वाला ही जीतता है।

आनलाइन सट्टेबाजी के बढ़ते चलन को देखते हुए स्कूलों में उसके प्रति सजगता फैलाना अति आवशयक है। वे लोग जो अपने आपको या अपने परिवार के लोगों को सट्टा खेलने की आदत से ग्रस्त पा रहे हैं, उनके लिए एक्सपर्ट हेल्पलाइन जैसी सुविधाएं गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से मुहैया कराना आवश्यक हो गया है, ताकि उन्हें वक्त रहते बचाया जा सके। कई मामलों में यह देखने में आ रहा है कि बच्चे आनलाइन गेम्स खेलते-खेलते सट्टेबाजी तक पहुंच जाते हैं और अभिभावकों को जब तक पता चलता है, तब तक नुकसान हो चुका होता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जुए को नशे से भी बुरी लत बताई थी, क्योंकि जुए से होने वाला नुकसान स्थाई होता है और परिवार एवं समाज, दोनों को खोखला करता है। आज उसी सामाजिक बुराई को आनलाइन सट्टेबाजी के रूप में मोबाइल और कंप्यूटर के जरिये एक चमकीले आवरण में पेश किया जा रहा है। देश को इससे बचाने की जरूरत है।

-सृजनपाल सिंह
(लेखक एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर के सीईओ हैं)

प्रदूषण : इच्छाशक्ति से ही बनेगी बात

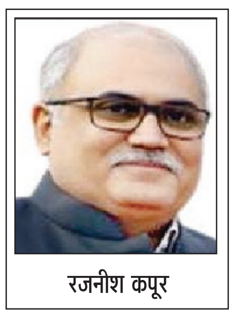

रजनीश कपूर

बीते कुछ सप्ताह से दिल्ली-एनसीआर और उत्तर भारत को प्रदूषण के बादल ने इस कदर घेर रखा है कि जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। प्रदूषण की रोकथाम को लेकर सरकार ने कई तरह की पाबंदियां लगा दी हैं। लोग चिंतित हैं कि पाबंदियों के चलते कई रोजगारों पर असर पड़ने लगा है। निर्माण कार्य में लगे दिहाड़ी मजदूर पाबंदियों के चलते सबसे अधिक पीड़ित हुए हैं। तमाम टीवी चैनलों पर प्रदूषण के बिगड़ते स्तर पर काफी बहस हो रही है परंतु क्या किसी ने प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए सही व ठोस कदम उठाने की बात कही है? क्या निर्माण कार्यों और वाहनों पर प्रतिबंध से प्रदूषण के स्तर में कमी आएगी? अनेक कारण हैं जिन पर सरकार ध्यान दे तो प्रदूषण में नियंत्रण पाया जा सकता है।

सबसे पहले बात करें वाहन प्रदूषण की। इस पर इसी कॉलम में कई बार लिखा जा चुका है कि विशेष आयु या श्रेणी के वाहन को प्रतिबंध करने से क्या प्रदूषण में कमी आएगी? इसका उत्तर हां और नहीं, दोनों ही है। कोई वाहन जो पुराने माणकों पर चल रहा है और उसके पास वैध पीयूसी प्रमाणपत्र नहीं है तो निश्चित रूप से उसे प्रतिबंधित किया जाना चाहिए। परंतु यदि वही वाहन प्रदूषण के तय मानकों की सीमा में पाया जाता है तो उस पर प्रतिबंध का क्या औचित्य? हम-आप जब भी कोई वाहन खरीदते हैं, तो हम उस वाहन की कीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देते हैं। इन सब टैक्स देने का मतलब हुआ कि यह राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रकम क्या वास्तव में जनता पर खर्च होती है? क्या हमें अपनी महंगी गाड़ियों के लिए साफ-सुथरी और बेहतरीन सड़कें मिलती हैं? क्या टूटी-फूटी सड़कों की समय-समय पर मरम्मत होती है? क्या सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियां अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं?

इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको नहीं में ही मिलेंगे। टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं। नतीजतन जगह-जगह ट्रैफिक जाम हो जाता है। जाम में खड़े रह कर आप न सिर्फ समय जाया करते हैं, बल्कि महंगा ईंधन भी जाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज्यादा नये वाहनों से प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की जिम्मेदारी होनी चाहिए कि सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा न मिले। ट्रैफिक नियंत्रण की समस्या भी ऐसी समस्या है जिससे प्रदूषण बढ़ाता है। मिसाल के तौर पर आपको कई चौराहे मिल जाएंगे जहां लाल-बत्ती की अवधि जरूरत और ट्रैफिक के प्रवाह के अनुसार मेल नहीं खाती। नतीजा, ऐसे चौराहों पर ट्रैफिक की लंबी कतारें। ऐसा नहीं है कि पूरा दिन ही ऐसे चौराहों पर लंबी कतारें लगती हैं। ज्यादातर कतारें पीक ऑवर पर लगती हैं। उस समय ट्रैफिक पुलिस द्वारा चुनिंदा चौराहों को नियंत्रित किया जाए तो जाम की समस्या पर आसानी से काबू पाया जा सकता है। बस कुछ मामूली से परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। आज गूगल मैप पर घर बैठे आप हर गली-नुक्कड़ का ट्रैफिक देख सकते हैं। यदि हम इसे देख कर अपनी यात्रा को प्लान कर सकते हैं तो ट्रैफिक कंट्रोल रूम के अधिकारी, संबंधित इलाके के ट्रैफिक अधिकारी को इस समस्या के प्रति झकझोर क्यों नहीं सकते?

प्रदूषण के अन्य कारकों पर भी लगाम कसी जा सकती है। जरूरत है तो इच्छाशक्ति की। याद दिलाना चाहूंगा कि 2010 में जब हमारे देश में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था तो दिल्ली में ऐसी व्यवस्था बनाई गई थी कि ट्रैफिक जाम नहीं होते थे। जगह-जगह पर ट्रैफिक पुलिस के सिपाही ट्रैफिक पर पैनी नजर बनाए हुए थे यानी डंडे के जोर पर व्यवस्था को नियंत्रित किया जा रहा था। यदि एक ट्रैफिक की समस्या को डंडे के जोर पर किसी विशेष इंतजाम के लिए नियंत्रित

जा सकता है तो आम दिनों में क्यों नहीं? अब बात करें दीपावली के बाद हर वर्ष होने पराली जलाने की घटनाओं की। जग-जाहिर है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के किसान हर वर्ष इन्हीं दिनों पराली जलाते हैं। यह समस्या हर वर्ष प्रदूषण का कारण बनती है। बड़ी-बड़ी बातें और घोषणाएं की जाती हैं, लेकिन समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। यदि कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हो या कोविड के दौरान लॉकडाउन लागू करना हो, जब इन्हें सख्ती से लागू किया जा सकता है तो पराली को जलाने से क्यों नहीं रोका जा सकता? ठीक उसी तरह कारखानों से निकलने वाले धुएं को भी नियंत्रित करना असंभव नहीं है। सरकार चाहे तो इस राह में ठोस कदम उठा कर प्रदूषण को नियंत्रण में ला सकती है। केवल नारों, घोषणाओं और प्रतिबंधों से नहीं, इच्छाशक्ति से ही नियंत्रित हो सकेगा प्रदूषण। जहां चाह, वहां राह!

ईवीएम वेयर हाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच । भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी मोनिका रानी ने उप जिला निर्वाचन अधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव के साथ जिला निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर परिसर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण कर ईवीएम की सुरक्षा इत्यादि का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सी.सी.टी.वी. कैमरे क्रियाशील पाये गये तथा वेयर हाउस भवन मानक के अनुसार फायर एक्सटिंग्यूशर स्थापित पाये गये। वेयर हाउस के निरीक्षण के उपरान्त डीएम मोनिका रानी ने निर्वाचन कार्यालय के पुराने भवन (गोदाम) तथा परिसर स्थित अन्य पुराने भवनों का निरीक्षण करते हुए अपर जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि समिति का गठन कर निष्प्रयोज्य सामग्री का निस्तारण करा दें तथा निष्प्रयोज्य भवनों को हटाने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही करें जिससे उपलब्ध होने वाली भूमि का उपयोग किया जा सके। इस अवसर पर अधि.अभि. जल निगम कमला शंकर, अवर अभि. संदीप कुमार जायसवाल, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शिखा श्रीवास्तव भी मौजूद रहीं।

आकांक्षी विकास खण्ड हुजूरपुर में आयोजित हुआ मेगा शिविर

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच महिला कल्याण सम्बन्धी विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रति महिलाओं में जनजागरूकता के उद्देश्य से आकांक्षी विकास खण्ड मुख्यालय हुजूरपुर में महिला आयोग की सदस्य श्रीमती अंजु प्रजापति की अध्यक्षता में महिला कल्याण, समाज कल्याण, श्रम एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वृहस्पतिवार को आयोजित मेगा शिविर का आयोजन किया गया। सदस्य श्रीमती प्रजापति ने मेगा कैम्प में लगाये गये स्टालों का निरीक्षण करते हुए बाल विकास विभाग पुष्टाहार के स्टाल के निरीक्षण के दौरान गर्भवती महिलाओं आशा देवी, आरती, राजवन्ती, गुड़िया व संगीता की गोद भराई की तथा पल्लवी, रंजीत, साक्षी, अल्तमस व असद रजा को

अन्न प्रासन्न कराया। शिविर को सम्बोधित करते हुए सदस्य ने महिलाओं का आहवान किया कि बाल विकास, महिला कल्याण, समाज कल्याण, श्रम विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पंचायती राज, ग्राम्य विकास एवं स्वास्थ्य इत्यादि विभागों द्वारा महिलाओं एवं बालिका कल्याणार्थ संचालित योजनाआसें एवं कार्यक्रमों का भरपूर लाभ उठायें। शिविर के माध्यम से मौजूद महिलाओं को विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी विनोद राय, बाल विकास परियोजना अधिकारी विमल कुमार सिंह, एडीओ पंचायत, एडीओ आईएसबी सहित अन्य स्टाफ तथा बड़ी संख्या में आंगनबाडी कार्यकत्री तथा स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं मौजूद रहीं।

संभल में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध बढ़ा

संभल। बीती 24 नवंबर को जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद तहसील क्षेत्र में इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी। शुक्रवार की शाम इंटरनेट शुरू होने पर लोगों ने राहत की सांस ली। वहीं, संभल जिले में अनधिकृत बाहरी लोगों के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को बढ़ा दिया गया है। अब 10 दिसंबर तक किसी भी दल के जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन के पदाधिकारी का प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है। ऐसे में शनिवार को संभल आ रहे सपा का प्रतिनिधिमंडल को प्रवेश से रोका जा सकता है।

संक्षिप्त डायरी

जिला प्रशासन के द्वारा ड्रोन कैमरे की निगरानी में संपन्न कराई गई जुम्मे की नमाज

संस्कार उजाला
हापुड़/संभल में हुए दंगे को लेकर जिला प्रशासन की अफसर शाही टीम अलर्ट मोड पर नजर आ रही है। जिसको लेकर शांति सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टिगत भाईचारा कायम रखने के चलते पुलिस बल के द्वारा मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों में पैदल भ्रमण कर आपस में भाई चारा शांति सौहार्द पूर्ण माहौल कायम रखने की अपील की गई। वहीं प्रशासन के द्वारा शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखी जा रही है। रहा है। जिसको लेकर जुम्मे की होने वाली नमाज के चलते जिला प्रशासन शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण अंचल क्षेत्रों में भी स्थित मस्जिदों के बाहर पुलिस क्षेत्र अधिकारी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ अलर्ट रहा। और ड्रोन कैमरे की निगरानी में जुम्मे की नमाज संपन्न कराई गई।

गांव बक्सर में लड़कों के दो गुटों में जमकर हुई मारपीट फावड़े से हमला कर करने का किया

संस्कार उजाला
गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले कस्बा बक्सर में लड़कों के दो गुटों में आपसी कहा सुनी होने को लेकर जमकर हुई मारपीट। धारदार हथियार फावड़े से हमला कर जान से करने का किया गया प्रयास। जिसमें मारपीट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर हो रहा वायरल। उपद्रवी लड़कों को पुलिसिया कार्रवाई का जरा भी नहीं खौफ।

कैबिनेट मंत्री ने दिल्ली से लखनऊ जाते हुए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न धरतीपुत्र स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की मूर्ति पर की माल्यार्पण

संस्कार उजाला
हापुड़ राष्ट्रीय लोक दल कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने दिल्ली से लखनऊ जाते हुए। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री किसान मसीहा स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह भारत रत्न की मूर्ति पर माल्यार्पण कर अनोखे द्वारा किसानों के लिए लड़ी गई लड़ाइयां पर विस्तार से कार्यकताओं को जानकारी हासिल कराई गई। वहीं राष्ट्रीय लोक दल कार्य कताओं ने राष्ट्रीय लोक दल कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार का जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर स्वागत करने वालों में जिला अध्यक्ष रविंद्र प्रधान, प्रदेश सचिव प्रोफेसर अब्बास अली हेमंत मिश्रा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य विजेंद्र चौधरी विजेंद्र दीवान, खालिद जिलानी शहर अध्यक्ष कविता शर्मा मोनिका खटीक नौशाद मलिक युसूफ चौधरी जैकी जाटव आदि

खाद्य सुरक्षा विभाग के द्वारा किसानों का शोषण नहीं किया जाएगा बर्दाश्त/पवन हूण भाकियू जिला अध्यक्ष

संस्कार उजाला
हापुड़/खाद्य सुरक्षा विभाग के द्वारा किसानों का सैंपलिंग के नाम पर शोषण करने को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष पवन हूण गुर्जर के नेतृत्व में फूड इंस्पेक्टर महेंद्र श्रीवास्तव से मिलकर कहा कि देहात क्षेत्र में किसान मजदूर गाय भैंस पालकर उसका दूध बेचकर पालन पोषण करते हैं। बेरोजगारी होने के कारण छोटी डेरी या अपना व्यवसाय भी करते हैं।गांव में दूध का सही कारोबार होता है इसलिए गांव में छापे मारकर किसानों का शोषण न किया जाए। जहां नकली दूध बनता है उसको पकड़ा जाए। उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए अगर किसी मजदूर किसान के यहां छापेमारी की तो भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगी। ऑफिस पर आंदोलन करेगी जिसकी जिम्मेदारी स्वयं इनकी होगी। इस अवसर पर जिला संरक्षक कटार सिंह,तहसील अध्यक्ष मोनू त्यागी,राजेंद्र गुर्जर,अरुण त्यागी, अस्सी गुर्जर,सुधीर त्यागी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शक्तिनगर पुलिस ने 01 नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला
क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।
सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) के निर्देशन में क्षेत्राधिकारी पिपरी सोनभद्र के निकट पर्यवेक्षण में थाना शक्तिनगर पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0-121/2024 धारा 191(2), 191(3), 190, 115(2), 352, 351(2), 109, 117(2), 133 बीएनएस व 07 सीएलए एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त अजीत उर्फ प्रीतम पुत्र रामकेश उर्फ अन्नु निवासी चिल्काटाड़ बस्ती, थाना शक्तिनगर, जनपद सोनभद्र को दिनांक 29.11.2024 को समय करीब 10.10 बजे मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है ।

प्रदूषण विभाग के सभी नियम का सरेआम उड़ाई जा धज्जियां।
प्रदूषण के शिकार हो रहा है आम जनमानस जिम्मेदार कौन।

संस्कार उजाला
क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी में स्थित कई क्रेशर प्लांट से हो रहे वातावरण प्रदूषण से क्षेत्र में स्थिति बहुत ही भयानक हो चुकी है ऐसा लगता है मानो। 24 घंटे घने बादल व कोहरा छाए हुए हैं जिला अधिकारी प्रदूषण विभाग के सभी नियम कानून को ताक पर रखकर डाला बड़ी लंगड़ा मोड कोटा टोला डाला में संचालित क्रेशर प्लांट से उड़ रहे धूल से भयावह स्थित क्षेत्र में व्याप्त है सारे नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं अधिकारी अपनी कुर्सी की

कमाई को बचाने में लगे हुए हैं आम जनता की स्वास्थ्य की स्थिति दिन पर दिन बेहद ही खराब होती जा रही है सूत्रों की मानें तो क्रशर प्लांट के क्षेत्र में पानी का प्रतिदिन छिड़काव होना सुनिश्चित है वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर स्थित वैष्णो मंदिर से लेकर डाला बाजार या यूं कहीं पूरा डाला ओबरा में वातावरण पूरी तरह से प्रदूषित हो चुका है सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसी रास्ते होकर सांसद विधायक जिले के आल्हा अधिकारी सभी इस मार्ग से होकर आते जाते हैं लेकिन किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता इस दूषित वातावरण से फर्क तो पड़ता है यहां के रहने वाले रहनवासियों को रहने वाले लोगों ने न जाने कितनी बार शासन प्रशासन से इसकी शिकायत की लेकिन प्रशासन पूरी तरह से मौन धारण किए हैं कारण उनकी मोटी कमाई जनता त्रस्त है अधिकारी मस्त हैं क्या फर्क पड़ता है इन अधिकारियों को।

प्रेमिका से शादी करने को लेकर बाधक बनी पत्नी को प्रेमिका के साथ मिलकर हत्या करने वाले प्रेमी पति एवं प्रेमिका सहित दो अज्ञात के विरुद्ध हुआ मुकदमा दर्ज

संस्कार उजाला
गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़मुक्तेश्वर के अंतर्गत आने वाले थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव सिकंदरपुर निवासी सोनी की हत्या के मामले में पुलिस ने पति और उसकी प्रेमिका एवं दो अज्ञात सहित चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिसमें मृतका के पीड़ित परिजनों ने आरोपी पति रिंकू की संपत्ति को मृतका सोनी के दोनों बेटों के नाम कराने की मांग की है। आपको बता दें कि गाजियाबाद बम्हेटा निवासी किरण पाल सिंह ने बताया कि उसकी बहन सोनी की शादी रिंकू निवासी सिकंदरपुर के साथ हुई थी। शादी के बाद उसकी

बहन अपने पति रिंकू के साथ नोएडा में रहने लगी। इसी दौरान रिंकू का प्रेम प्रसंग वहां रहने वाली प्रियंका से हो गया। जिसके चलते रिंकू प्रियंका से शादी करना चाहता था। रिंकू ने शादी करने को लेकर सोनी से रजामंदी मांगी। लेकिन सोनी के द्वारा रजामंदी मंदिर नहीं देने से नाराज पति रिंकू सोनी को प्रताड़ित करने लगा।और रिंकू ने योजनाबद्ध तरीके से अपनी प्रेमिका प्रियंका व दो अज्ञात के साथ मिलकर सोने की गला दबाकर हत्या कर दी। और सोनी के शव को सिकंदरपुर अपने गांव में छोड़कर फरार हो गया। वहीं इस मामले को लेकर मृतक सोनी के परिजन उसके दोनों बेटे लव और सम्राट को लेकर तहसील में उपनिबंधक कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने रिंकू के हिस्से की संपत्ति दोनों बेटों के नाम कराने की मांग की है। वही इस मामले को लेकर पुलिस क्षेत्राधिकारी वरुण मिश्रा का कहना है कि पीड़ित परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

यातायात माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संस्कार उजाला
नोएडाः नोएडा पुलिस कमिश्नरेट द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे यातायात माह के तहत सेक्टर 62 स्थित एवियर एजुकेशनल हब डिग्री कॉलेज में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शेयर संस्था की नुक्कड़ नाटक टीम ने भाग लिया और सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के महत्व पर एक प्रभावी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में ट्रैफिक अंकल के नाम से प्रसिद्ध टीएसआई राकेश यादव और एचसी

यशपाल ने छात्रों और उपस्थित जनसमुदाय को यातायात नियमों की जानकारी दी। उन्होंने सभी को इन नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। चेयरमैन संदीप सिंह ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक प्रयास है। ऐसे जागरूकता कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा दिखाने में सहायक होते हैं। मैं पुलिस कमिश्नरेट और साझेदार संस्थाओं को इस पहल के लिए बधाई देता हूं। टी आई रमेश सिंह चौहान ने कहा कि यातायात नियम हमारी सुरक्षा के लिए हैं। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, और संकेतों का पालन करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। समाज में सड़क सुरक्षा को प्राथमिकता देना आवश्यक है, और मैं सभी से अपील करता हूं कि नियमों का सख्ती से पालन करें। इस अवसर पर युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह, कॉलेज के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ अस्मिंदर सिंह बहल, रविता सिंह, आदि मौजूद थे।

छात्रवृत्ति के सम्बन्ध में शिक्षण संस्थाओं के साथ सीडीओ ने की बैठक

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच अल्पसंख्यक पिछड़े वर्ग को छोड़कर अन्य पिछड़े वर्ग हेतु संचालित पूर्वदशम- छात्रवृत्ति कक्षा 9-10, दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 एवं अन्य दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12 को छोड़कर) योजनान्तर्गत ऑनलाइन आवेदन किये जाने के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र की अध्यक्षता में 26 एवं 27 नवम्बर को 100-100 शिक्षण संस्थानों के साथ विकास भवन सभागार में बैठक आहूत की गई। मुख्य विकास अधिकारी श्री चन्द्र ने बैठक में मौजूद प्राचार्य/प्रधानाचार्यो को निर्देशित किया कि पंजीकृत छात्र/छात्राओं के सापेक्ष शत-प्रतिशत पात्र छात्रों के छात्रवृत्ति आवेदन पत्र को भरवाना सुनिश्चित करें। सीडीओ ने कहा कि जिन छात्रों द्वारा ऑनलाइन आवेदन पत्र भर दिया गया उसे तत्काल वेरीफाई कर अग्रसारित करें जिससे कोई भी आवेदन पत्र संस्था स्तर पर लम्बित न रहने पाये। सीडीओ ने कहा कि जनपद के सभी पात्र छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति

समयान्तर्गत प्राप्त हो इसके लिए सम्बन्धित विभाग व शिक्षण संस्थान निर्धारित समयसारिणी के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार अहिरवार, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी मंजरी भारद्वाज सहित जनपद के कक्षा 9-10, 11-12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं का संचालन करने वाले प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या, विभागों के पटल सहायक एवं कम्प्यूटर आपरेटर मौजूद रहे।

मैजिक सवार 2 पशु तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार।

संस्कार उजाला
क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। घोरावल से तस्करी के लिए मैजिक से अहरौरा मिजार्पुर ले जाए जा रहे 11 गोवंशों को मुखबीर की सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस ने वृहस्पतिवार की रात सकुशल बरामद करते हुए वाहन सवार दो तस्करों को धर दबोचा। पुलिस के अनुसार सुकृत वैरियर के पास से गिरफ्तार तस्करों की पहचान चंदौली जिले के नौगढ़ थाना अंतर्गत वृन्दावन गांव निवासी महेश कुमार पुत्र स्व. अशोक कुमार व सतोहा नकवई गांव निवासी रिशु यादव उर्फ विकाश यादव पुत्र स्व. योगेन्द्र यादव के रुप में की गई है। सदर कोतवाली प्रभारी सतेन्द्र राय ने बताया कि घोरावल से गोकशी के लिए छह गाय, तीन बछिया व दो बछड़ा लादकर मैजिक सवार दोनों तस्कर चौनपुर की तरफ जा रहे थे। मुखबीर की सूचना पर सुकृत वैरियर के पास वाहन चेकिंग के दौरान पशुओं से भरी मैजिक को

अथक प्रयास के बाद कब्जे में लेते हुए उसमें सवार दोनों तस्करों को गिरफ्तार किया गया। बताया कि तस्करों ने जानकारी दी है कि वे घोरावल कोतवाली क्षेत्र से पशुओं को मैजिक पर लादकर गोकशी के लिए अहरौरा मिजार्पुर ले जा रहे थे। हालांकि कोतवाली प्रभारी सतेन्द्र राय ने तत्काल में यह जानकारी नहीं दे सके कि तस्करों द्वारा घोरावल कोतवाली के किस गांव से पशुओं को लादकर गोकशी के लिए ले जाया जा रहा था और इस कालेकारोवार में कितने लोग शामिल हैं। इस मौके पर उप निरीक्षक वृजेश कुमार, हेड कांस्टेबल शिवकुमार यादव, अरविन्द कुमार, अनुज कुमार आदि पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

विकास भवन में दिव्यांग बच्चों को वितरित की गई एच.बी.ई. किट

संस्कार उजाला
डॉ0सै0अब्दुल खबीर

बहराइच जनपद के चिन्हित 124 बहुदिव्यांग बच्चों को समग्र शिक्षा के अंतर्गत समेकित शिक्षा में होम बेस्ड एजुकेशन के तहत एच.बी.ई. किट के वितरण हेतु मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र की अध्यक्षता में विकास भवन में आयोजित कार्यक्रम में एम.एल.सी. डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी व सदर विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल के प्रतिनिधि ब्लाक प्रमुख शिवम् कुमार जायसवाल द्वारा दिव्यांग बच्चों को सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए एमएलसी डॉ त्रिपाठी द्वारा दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों के जीवन स्तर सुधार लाने में यह योजना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। डॉ. त्रिपाठी ने विभाग व स्पेशल एजुकेटर्स को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस प्रकार के बच्चों तक शिक्षा विभाग सरकार की

योजनाओं का लाभ पहुंचा रहा है। उन्होंने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए मन लगा कर पढ़ाई करने का मंत्र दिया। मुख्य विकास अधिकारी ने इस कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही होम बेस्ड एजुकेशन की सामग्री का सही से उपयोग किए जाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग करते रहें तथा यह भी सुनिश्चित करें कि इस कार्य में लगे हुए समस्त स्पेशल एजुकेटर्स नियमित रूप से दिव्यांग बच्चों के घर जाकर सामग्री का सदुपयोग कराना सुनिश्चित करें और अभिभावकों को भी सामग्री के प्रयोग के सम्बन्ध में जागरूक करें।

रिलांयस स्मार्ट बाजार द्वारा बिजली के पोल,स्ट्रीट लाईट पोल पर बैनर लगा बनाया प्रचार का माध्यम दुर्घटनाओं की आशंका ईओ व एसडीओ को कार्यवायी के लिए सौंपा ज्ञापन

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पूरे घेरा को स्मार्ट बाजार ने प्रचार सामग्री से घेरा देशभक्त का अपमान

संस्कार उजाला
अरविंद गुप्ता ब्यूरो चीफ सोनभद्र।

ओबरा सोनभद्र। तहसील ओबरा अन्तर्गत रिलांयस स्मार्ट बाजार व्दारा बिना अनुमति के पुरे ओबरा नगर क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर सभी विद्युत पोल, स्ट्रीट लाईटों पर अपने मॉल का प्रचार का साधन बनाया गया हैं। जिससें विद्युत पोल में बैनर पोस्टर बेतरतीब तरीके से लगाए जाने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी है लाईनमैंन को पोल पर चढ़ने में हो रही समस्या साथ ही ओबरा नगर पर स्ट्रीट लाइट और बिजली के खंभे मुफ्त में अपना के प्रचार लिए साधन साबित हो रहे हैं। साथ ही ओबरा हनुमान मंदिर स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस के स्मृति के पूरे किनारे किनारे रिलांयस स्मार्ट

बाजार द्वारा अपना बैनर लगाकर किया जा रहा हैं। जिसको लेकर सेवा ही संकल्प की टीम राकेश केशरी व मनीष विश्वकर्मा द्वारा जनपद स्तर के अधिकारीयों सहित विद्युत विभाग के उप खंड अधिकारी आशीष शुक्ला व नगर पंचायत ओबरा के अधिशासी अधिकारी मधुसूदन जायसवाल को ज्ञापन सौंपा और यह मांग किया।

संक्षिप्त डायरी

शांतिपूर्ण तरीके से अदा हुई जुमे की नवाज

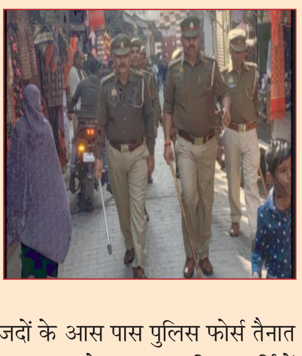

संस्कार उजाला
चिलकाना/सुल्तानपुर जुमे की नवाज को लेकर चिलकाना प्रशाशन सतर्क रहा ओर नगर व देहात मे शांतिपूर्वक अदा हुई जुमे की नवाज। संभल मे हुई घटना को लेकर थाना चिलकाना पुलिस अलर्ट मोड़ पर रहा जहाँ शुक्रवार को पुलिस सतर्क रही वहीं जुमे की नवाज के दौरान मस्जिदों के आस पास पुलिस फोर्स तैनात रहा ओर थाना चिलकाना प्रभारी द्वारा नगर मे सहायक पुलिस कर्मियों के द्वारा भी शांति व्यवस्था के मद्देनजर पैदल गस्त किया। शुक्रवार को शांतिपूर्वक नवाज अदा करने के बाद नमाजीयों के अपने अपने घरो को लौटनें के बाद प्रशासन नें चैन की सांस लीं।

भाकियू युवा जिलाध्यक्ष ने विद्युत करंट से बचाव को बांटे उपकरण ,विद्युत कार्य करते समय सर्वप्रथम सुरक्षा : सौरभ त्यागी

संस्कार उजाला
नागल सहारनपुर
अजय त्यागी नागलः विद्युत करंट से बढ़ रहे हादसों पर विराम के लिए भारतीय किसान यूनियन तोमर के युवा जिला अध्यक्ष सौरभ त्यागी ने विद्युत कर्मियों को प्रशिक्षित करने का अभियान शुरू कर विद्युत करंट से बचाव को उपकरण बांटते हुए टिप्स दिए। ब्रहस्पतिवार को नागल रेलवे रोड यूनियन युवा जिलाध्यक्ष कार्यालय पर क्षेत्र के विद्युत कर्मी पहुंचे। युवा जिलाध्यक्ष सौरभ ने विद्युत करंट से बचाव के 15 बिदुओं के तहत विद्युत सुरक्षा के उपाय बताए। घरों के लिए विद्युत सुरक्षा किट मुहैया कराई। किट में तीन जोड़ी ग्लब्स (दास्ताने), तीन हेलमेट, तीन सेफ्टी बेल्ट, एक प्लास किट प्रदान की गई। इस दौरान युवा जिलाध्यक्ष ने डेमो दिखाकर किट प्रयोग के तरीके समझाए। इस दौरान सचिन, अलीम, राजू, अंकित, राजीव, अनुज, पवन, निटु, रमेश, बबला, मिंटू, उत्तम , आदि इलेक्ट्रीशियन मौजूद रहे।

गजब चार कंधे ,अर्थी, रोने से लेकर नाई तक का इंतजाम, यह कंपनी करायेगी अंतिम संस्कार। सूत्र

संस्कार उजाला
घनश्याम दास सहारनपुर। दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित ट्रेड फेयर में एक नई और अनोखी कंपनी ने अपनी प्रदर्शनी लगाई है, जो अंतिम संस्कार की सभी सेवाएँ एक ही छत के नीचे प्रदान करती है। इस कंपनी का उद्देश्य पारंपरिक संस्कारों को सरल और व्यवस्थित तरीके से निभाना है। कंपनी की सदस्यता शुल्क ₹37,500 है, जो अंत्येष्टि के सभी पहलुओं को कवर करती है। इसमें अर्थी, पंडित/नाई, कांधा देने वाले, शव को ले जाने वाले और राम नाम सत्य बोलने वाले लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा, अस्थियां विसर्जन भी वही करवाएंगे। नई संस्कृति और आधुनिक जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए इस कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में 5000 से अधिक अंतिम संस्कार करवायें हैं और अब तक ₹50 लाख का प्रॉफिट कमा चुकी है। इस व्यापार ने पारंपरिक रीति-रिवाजों को निभाते हुए मय्यत के सामान की प्रदर्शनी में भी पहली बार स्टाल लगाया है, जो इस क्षेत्र में एक नई शुरूआत है। यह सेवा उन परिवारों के लिए एक विकल्प पेश करती है जो मय्यत के समय रिश्तेदारों और समाज में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने का समय नहीं निकाल पाते।

मिशन शक्ति के विशेष अभियान (फेज-05) के तहत कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु महिलाओं/बालिकाओं को सहारनपुर पुलिस द्वारा किया जागरुक समस्त महिला बीटों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों द्वारा ग्राम चौपाल का आयोजन कर महिलाओं की समस्याओं का किया जा रहा निस्तारण

महिलाओं को विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नम्बरों, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, महिला हेल्प डेस्क व कानूनी प्रावधानों की जानकारी देकर व पम्पलेट वितरित कर किया जा रहा है महिलाओं का सशक्तिकरण

संस्कार उजाला
संवाददाता नेहा शर्मा
सहारनपुर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सहारनपुर के निर्देशन में जनपद सहारनपुर के समस्त थाना क्षेत्र अंतर्गत महिला बीट पुलिस अधिकारियों/एण्टीरोमियों पुलिस टीम द्वारा गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज, बस स्टैण्ड सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर कर प्राथमिकता के आधार पर महिला/बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जनजागरुकता अभियान चलाया जा रहा है तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबर - वूमेन पॉवर लाइन-1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, एम्बुलेंस सेवा-108, चाइल्ड लाइन-1098, स्वास्थ्य सेवा-102, महिला हेल्पलाइन-181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076 तथा सार्थक और सकारात्मक चर्चा कर गुड टच, बैड टच के बारे में, घरेलू हिंसा के बारे में, साइबर अपराधों के बारें में साइबर हेल्पलाइन-1930 आदि सहित कानूनी प्रावधानों एवं उनके अधिकारों इत्यादि के बारें में चर्चा करते हुए शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं के विषय में जानकारी देते हुए पम्पलेट प्रदान कर जागरूक किया जा रहा है ।

भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति संगठन का स्थापना दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया

संस्कार उजाला
जनपद शाहजहांपुर
पुवायां भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति संगठन ने केक काटकर मनाया सातवां स्थापना दिवस जिसमें जनपद शाहजहांपुर के ही नहीं बरेली मंडल के भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति संगठन प्रभारी मौके पर मौजूद रहे यह स्थापना दिवस भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति के जिला अध्यक्ष सुभाष चंद्र मिश्रा एवं राष्ट्रीय प्रदेश अध्यक्ष दीप कुमार मिश्रा के नेतृत्व में मनाया गया उसके उपरांत उप जिलाधिकारी संजय पांडे कोई ज्ञापन सोपा गया जिसमें आम गरीब जनता की समस्या का शीघ्र ही समाधान हो प्रदेश सचिव दीप कुमार मिश्रा मंडल उपाध्यक्ष बरेली राजू पाठक , संस्कार उजाला ब्यूरो चीफ एवं किसान यूनियन जिला मीडिया प्रभारी अनिरुद्ध मिश्रा , शाहजहांपुर जिला अध्यक्ष सुभाष चंद्र मिश्रा युवा जिला अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह विनोद यादव जिला उपाध्यक्ष शाहजहांपुर राजवीर सिंह ब्लॉक संगठन मंत्री कांट महिला मोर्चा जिला कार्यकारिणी अध्यक्ष दीप सिंह जिला प्रभारी शाहजहांपुर सरकार तिवारी वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार त्रिवेदी महिला जिला उपाध्यक्ष बिलासी देवी एवं भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति जिला मीडिया प्रभारी अनिरुद्ध मिश्रा एवं बरेली मंडल मीडिया प्रभारी अजय त्रिवेदी व तमाम भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहे उसके उपरांत जय जवान जय किसान के साथ संगठन के सभी पदाधिकारी ने नारे लगाए

सरकार के द्वारा लाखों रुपए की धनराशि खत्म करने के बाद स्कूल में आवारा पशु बैठते हैं

आखिर क्या फायदा हुआ सरकार के द्वारा लाखों रुपए खर्च करने के बाद भी जनता को नहीं मिल पा रही कोई सुविधा

संस्कार उजाला
खुटार शाहजहांपुर
खुटार क्षेत्र के गांव महौलिया मैं राजकीय हाई स्कूल विद्यालय बनाया गया है भले ही कागजों की हकीकत में स्कूल का संचालन हो रहा हो लेकिन जमीनी हकीकत में स्कूल खुला पड़ा रहता है आवारा पशु आकर इकट्ठा होते हैं चारों ओर घास खड़ी हुई है स्कूल का कोई नाम निशान नहीं लग रहा है कि यह स्कूल सरकार के द्वारा बनाया गया है स्कूल के अंदर लिसाई पुताई का पूरा कार्य हो चुका है दरवाजे खिड़की भी लगाई जा चुकी है लेकिन स्कूल के अंदर फर्नीचर अभी नहीं आया है ग्रामीणों की जानकारी के अनुसार स्कूल 2020 और 22 मैं बनाकर तैयार हो चुका था लेकिन तब से स्कूल अभी तक पड़ा है कोई अधिकारी एवं कर्मचारी शिक्षा विभाग का इसकी तरफ ध्यान देने की जरूरत नहीं समझता है महोलिया वीरान पुवायां खुटार नेशनल हाईवे से लगभग 15 किलोमीटर दूर स्थित गांव है उसके नौनिहाल बच्चों के साथ खिलवाड़ शिक्षा विभाग के द्वारा किया जा रहा है। जमीनी हकीकत में स्कूल बनकर कंप्लीट कर दिया गया लेकिन ना चलने के कारण क्षेत्रीय बच्चे बहुत परेशान हो रहे हैं ,,,, इस विषय में एसडीएम संजय पांडे से जानकारी करनी चाहि लेकिन उनका फोन नहीं उठा रहा था।

बजाज शुगर मिल का गन्ना भुगतान समय पर न करना सरकार की नाकामी: प्रियदीप त्यागी

मासिक तहसील पंचायत में उपजिलाधिकारी देवबंद को सौंपा ज्ञापन

संस्कार उजाला
नागल सहारनपुर
अजय त्यागी नागलः गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के तत्वाधान में तहसील मासिक पंचायत उपजिलाधिकारी देवबंद कार्यालय पर हुई। मीटिंग को संबोधित करते हुए पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष प्रियदीप ने कहा कई सालों से किसान बजाज शुगर फैक्ट्री के समय पर गन्ना भुगतान न होने के कारण परेशान है और लगातार इसके लिए संघर्ष कर रहे हैं इसके बावजूद भी अब तक बजाज शुगर मिल का गन्ना भुगतान समय ना करना सरकार की नाकामी को दशार्ता है।जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने कहा पराली जलाने पर किसान के ऊपर जुमार्ना लगाना दुर्भाग्यपूर्ण है इस पर सरकार को विचार करना चाहिए तहसील अध्यक्ष अरविंद शर्मा जी ने कहा गन्ना क्रय केंद्रों पर घटतोली एक बड़ा अपराध है सरकार इस पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाए इस अवसर पर पश्चिम प्रदेश अध्यक्ष प्रियदीप,प्रदेश मुख्य महासचिव अरविंद त्यागी,जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार,नगर सचिव बालेंद्र त्यागी,जिला वरिष्ठ प्रभारी रविंद्र त्यागी,जिला कोषाध्यक्ष डॉ जितेंद्र पा,युवा जिला अध्यक्ष हिमांशु गुर्जर,युवा जिला उपाध्यक्ष मलकीत सिंह,युवा जिला महामंत्री ईशान,तहसील अध्यक्ष अरविंद शर्मा,युवा तहसील अध्यक्ष श्रीकांत,ब्लॉक अध्यक्ष अलीम नंबरदार ब्लॉक महासचिव मोहित शर्मा,ग्राम अध्यक्ष दीपक त्यागी,ग्राम सचिव प्रवीण कुमार,ग्राम सचिव दिलशाद,ग्राम सचिव विशाल,ग्राम सचिव इंद्रेश सैनी,ग्राम सचिव विशाल कुमार,वरिष्ठ किसान राजू,युवा किसान आकाश आदि मौजूद रहेः

सक्षम राज शर्मा ने किया विद्यालय का नाम रोशन प्राप्त किया पांच हजार रुपए का पुरस्कार। सूत्र

संस्कार उजाला संवाददाता
घनश्याम दास सहारनपुर डी ए वी पब्लिक स्कूल बरवाला। जनपद संभल उत्तरप्रदेश सूत्रों के अनुसार। डी ए वी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, बबराला के ग्यारहवीं विज्ञान वर्ग के छात्र सक्षम राज शर्मा ने अपने अध्यापक प्रदीप कुमार मिश्र के कुशल निर्देशन में अपनी प्रतिभा और विज्ञान के प्रति गहरी समझ का परिचय देते हुए जिला स्तर पर आयोजित विज्ञान परियोजना प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उत्तर प्रदेश (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) द्वारा किया गया, जिसमें कुल 60 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए थे। सक्षम राज शर्मा की विज्ञान परियोजना गैस लिकेज डिटेक्टर और प्रिवेंशन ने निर्णायकों और दर्शकों को अत्यधिक प्रभावित किया और जिले में प्रथम स्थान हासिल कर 5000 रुपये का नकद पुरस्कार प्राप्त किया। उनकी परियोजना ने न केवल नवाचार और रचनात्मजकता को प्रदर्शित किया, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए उपयोगी समाधान भी प्रस्तुत किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री आनंद स्वरूप सारस्वत ने सक्षम की प्रशंसा करते हुए कहा कि सक्षम राज शर्मा ने विद्यालय का नाम रोशन किया है। यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और शिक्षकों के मार्ग दर्शन का परिणाम है। हमारा विद्यालय हमेशा छात्रों के नवाचार और रचनात्मक प्रयासों को प्रोत्साहित करता है। विद्यालय के चेयरमैन श्री एम. एस. प्रसाद ने इस सफलता पर अपनी शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि यह उपलब्धि डी ए वी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल के छात्रों और शिक्षकों के समर्पण का प्रमाण है। हम भविष्य में भी ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित करते रहेंगे। सक्षम ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह पुरस्कार उनके शिक्षकों और परिवार के समर्थन के बिना संभव नहीं था। उन्होंने भविष्य में और अधिक उत्कृष्ट प्रदर्शन का वादा किया। प्रतियोगिता में कुल 60 प्रोजेक्ट्स में से सक्षम की परियोजना को श्रेष्ठता का दर्जा मिला है, जिसने डी ए वी फर्टिलाइजर पब्लिक स्कूल, बबराला को जिले में गौरवान्वित किया है। विद्यालय, परिवार, अभिभावकों और शिक्षकों ने इस उपलब्धि पर सक्षम और उनकी टीम को हार्दिक बधाईयां एवं शुभकामनाएँ दी और उनके उज्जवल भविष्य की भी कामना की हैं।

म्नगरायुक्त ने 15 वित्त से विकसित पार्क का किया औचक निरीक्षण-बच्चों के लिए अलग चिल्ड्रन पार्क बनाने पर भी दिया जोर - उन्होंने पार्क में लगायी गयी सोलर लाईट - वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और बनाए गए पाथ वे आदि की जानकारी ली

संस्कार उजाला
सहारनपुर, नगरायुक्त संजय चौहान ने आज दोपहर आईटीसी रोड स्थित साहिब जी नगर में 15वें वित्त से विकसित किये गए पार्क का औचक निरीक्षण किया- नगर निगम निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता आलोक श्रीवास्तव व सहायक अभियंता विपुल कुमार आदि अधिकारियों के साथ साहिब जी नगर पहुंचे और निर्माण विभाग द्वारा विकसित किये गए पार्क का निरीक्षण किया- नगर आयुक्त ने पार्क में लगायी गयी सोलर लाईट, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और बनाए गए पाथ वे आदि की जानकारी ली- नगरायुक्त ने वाटर हार्वेस्टिग के सम्बंध में कहा कि अधिक गहरा बोरिंग न करें उस स्थिति में भूमि का पेयजल दूषित हो सकता है- नगरायुक्त ने अधिकारियों को पार्को का विकास किसी एक विभाग के बजाए व्यापक योजना बनाकर किये जाने पर जोर दिया-उन्होने कहा कि पार्क की दीवारे केवल सुरक्षा की दृष्टि से रहती है, पेड़-पौधों एवं हरियाली के बिना पार्क की कल्पना नहीं की जा सकती-इसके अलावा उन्होंने ओपन जिम के लिए भी एक अलग स्थान का चयन कर ओपन जिम लगाने के निर्देश दिए- उन्होंने कहा कि ओपन जिम की मशीने विभिन्न पार्कों में अलग-अलग न लगाये जाएं, एक ही स्थान पर सब मशीनें स्थापित की जाएं

गागलहेड़ी पुलिस को चोरो ने एक बार फिर से दी जोरदार सलामी

संस्कार उजाला
सचिन यादव पत्रकार
गागलहेड़ी पुलिस को चोरों ने एक बार फिर से थी जोरदार सलामी कैलाशपुर मे लाखो रुपए की चोरी के साथ ही लाखो के जेवरात हुए चोरी। गागलहेड़ी थाना क्षेत्र मे अब घरो मे भी सुरक्षित नहीं क्षेत्रवासी ओर उनके कीमती सामान किसानो के नलकूप की चोरी ओर हाई वे लूट के बाद अब लोगो के घरो के ताले तोड़ घरो मे रखी नगदी ओर जेवरातो पर चोरो ने हाथ साफ किये। 24 घटे बीतने के बाद भी पुलिस ने पीड़ित की तहरीर लेने से मना किया। प्रभारी निरीक्षक बोले पहले होंगी जांच फिर होगी कार्यवाही गागलहेड़ी क्षेत्र मे लगातार हो रही वारदातो के बाद क्षेत्र मे दहशत का माहौल गागलहेड़ी पुलिस किसी भी घटना को खोलने मे विफल साबित हुई क्षेत्र मे लगातार हो रही वारदातो के बाद आखिर कौन करेगा क्षेत्रवासियो की सुरक्षा अब थाना पुलिस से क्षेत्रवासियो का विश्वास उठा।

जुमे की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, पुलिस अलर्ट

संस्कार उजाला
सचिन यादव पत्रकार
गागलहेड़ी। संभल बवाल के बाद जुमे की नमाज को लेकर थाना पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। शुक्रवार को प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र गौतम ने टीम के साथ विभिन्न मस्जिदों और मदरसों का दौरा किया। ग्राम हरोड़ा, कैलाशपुर, मांडेबन्स, पाली समेत अन्य गांवों में मस्जिदों के बाहर सख्त निगरानी रखी गई। जुमे की नमाज के दौरान हर गांव में पुलिसकर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की गई। थाना प्रभारी धर्मेंद्र गौतम ने पुलिस टीम के साथ भर्मण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया वही जनता से अपील कर कहा कि अफवाहों पर न दे ध्यान अगर कोई अराजकता फैलाता है तो तुरंत इसकी सूचना दे पुलिस को दे अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सभी स्थानों पर नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

पीएम कुसुम योजनान्तर्गत निजी ऑनग्रिड पम्प के सोलराइजेशन हेतु 15 दिसम्बर तक करें ऑनलाइन आवेदन

संस्कार उजालाा ब्यूरो
सहारनपुर, उत्तर प्रदेश सौर ऊर्जा नीति-2022 में पीएम कुसुम घटक सी-1 योजनान्तर्गत वर्ष 2024-25 में प्रदेश हेतु 3 एचपी, 05 एचपी, 7.5 एचपी एवं 10 एचपी क्षमता के 10000 अदद निजी ऑनग्रिड पम्प के सोलराइजेशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जनपद में विभिन्न क्षमता के स्थापित मीटर्ड निजी ऑनग्रिड पम्प के सोलराइजेशन हेतु सोलर पावर प्लाण्ट की स्थापना किये जाने हेतु लाभार्थी कृषकों से प्राप्त आवेदन से प्राप्त आवेदन प्रारूप-1 का चयन एवं 10 प्रतिशत कृषक अंशदान लिये लाने के संबंध में दिशा-निर्देश दिये गये है। परियोजना अधिकारी आर0बी0वर्मा ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा अनुमन्य 30 प्रतिशत अनुदान के अतिरिक्त अनुसूचित जनजाति, वनटांगिया एवं मुसहर जाति के कृषको हेतु राज्य अनुदान 70 प्रतिशत अनुमन्य किया गया है। अन्य श्रेणी के कृषको हेतु केन्द्रीय अनुदान 30 प्रतिशत के अतिरिक्त 60 प्रतिशत राज्य अनुदान अनुमन्य है एवं 10 प्रतिशत अंशदान कृषको द्वारा देय होगा। जनपद में 3 एचपी, 05 एचपी, 7.5 एचपी एवं 10 एचपी क्षमता के स्थापित मीटर्ड निजी ऑनग्रिड पम्प के सोलराइजेशन हेतुयूपीनेडा के विकसित पोर्टल htpp://upnedakusumc1.in पर पूर्व में किये गये आवेदन/इच्छुक लाभार्थी कृषको द्वारा नवीन ऑनलाइन आवेदन का चयन ‟पहले आओं, पहले पाओ” के आधार पर किया जायेगा। लाभार्थी कृषक के एक से अधिक मीटर्ड निजी ऑनग्रिड पम्प के विद्युत कनेक्शन होने की स्थिति में जब तक कि समस्त पात्र आवेदनकर्ता योजना से आच्छादित नहीं हो जाते है, एक ही पम्प के सोलराइजेशन हेतु चयन किया जायेगा। निजी मीटर्ड ऑनग्रिड पम्प के सोलराइजेशन हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्राप्त क्षमतावार संयंत्रों की अनुमोदित दरें, अनुदान एवं कृषक अंशदान भिन्न है। 10 एचपी क्षमता के पम्प पर 7.5 एचपी क्षमता के समतुल्य अनुदान अनुमन्य है। लाभार्थी कृषक द्वारा यूपीनेडा की बेबसाइट www.upneda.org.in विकसित पोर्टल "htpp://upnedakusumc1.in के माध्यम से कृषक अंशदान ऑनलाइन जमा किया जायेगा। लाभार्थी कृषकों के अंशदान जमा होने के उपरान्त यूपीनेडा की अनुमोदित/अनुबंधित फर्म द्वारा सोलर पावर प्लाण्ट की स्थापना आदि का कार्य 04 माह की अवधि के अन्तर्गत की जायेगी। जनपद में लाभार्थी कृषक द्वारा यूपीनेडा की उपरोक्त वेबसाइट के माध्यम से आवेदन /इच्छुक लाभार्थी कृषको द्वारा नवीन ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि 15 दिसम्बर, 2024 निर्धारित की गयी है। जनपद के इच्छुक लाभार्थी कृषक उपरोक्त योजना विवरण के अनुसार 15 दिसम्बर, 2024 से पूर्व पीएम कुसुम घटक सी-1 योजनान्तर्गत निजी ऑनग्रिड पम्प के सोलराइजेशन हेतु ऑनलाइन आवेदन करने का कष्ट करें और ‟पहले आओं, पहले पाओ” के आधार पर उत्तर प्रदेश सरकार की योजना का लाभ उठायें। साथ ही और अधिक योजना की विस्तृत जानकारी हेतु परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा आर0बी0 वर्मा, विकास भवन, सहारनुपर के दूरभाष नम्बर 9415609073 पर सम्पर्क करें।

जनता स्कूल में बच्चों को बताए तम्बाकू सेवन के नुकसान।

बच्चों को पुरुस्कृत करती स्वास्थ्य विभाग की टीम।

संस्कार उजाला संवाददाता
सहारनपुर नानौता स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जनता मांटेसरी जूनियर हाईस्कूल में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने विद्यार्थियों को तंबाकू के दुष्प्रभावों की जानकारी दी और इसे निषेध करने के लिए बच्चों को शपथ दिलाई। शुक्रवार को बच्चों को संबोधित करते हुए डॉ मनोज चौहान ने तंबाकू सेवन से होने वाली घातक बीमारियों पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को अपने परिवार और पड़ोसियों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों जैसे कैंसर, अस्थमा, सांस तथा लकवा जैसी गंभीर बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया। प्रधानाचार्य रामभूल सिंह ने इसे युवाओं के लिए आवश्यक कदम बताते हुए कहा कि जागरूकता ही नशामुक्त समाज की दिशा में पहला कदम है। इस अवसर पर तम्बाकू से होने वाले नुकसान प्रश्नोत्तरी में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कक्षा 6 के हर्षित राणा, द्वितीय देव धीमान तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने पर दीपशिखा को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान प्रधानाचार्य रामभूल सिंह, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर राजीव पुंडीर, प्रबंधक दिनेश सिंह पुंडीर, रेणु, एएनएम मीनाक्षी, नेत्र परीक्षण अधिकारी परीक्षित राणा, विपिन कुमार, संदीप कुमार, लक्की कुमार, रविशा, दीपा, खुशबू, प्राची तथा रितु आदि रहे।

जिला पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी में आरपीआई

लखनऊ में आठवले बोले: तेजी से बढ़ रहा जनाधार, 20,000 नए सदस्य पार्टी से जुड़े

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई- आठवले) ने दावा किया है कि उत्तर प्रदेश में पार्टी का जनाधार तेजी से बढ़ा है। पिछले तीन महीनों में सुहेलदेव समाज पार्टी, समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी से जुड़े 50 पदाधिकारियों ने फ्ढक की सदस्यता ग्रहण की है। इसके अलावा प्रदेशभर से करीब 20,000 नए सदस्य पार्टी से जुड़े हैं। लखनऊ के वीवीआईपी गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री डॉ. रामदास आठवले ने यह

बात कही। डॉ. आठवले ने बताया कि पार्टी 2026 में उत्तर प्रदेश में जिला पंचायत चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। उन्होंने एनडीए के घटक दलों, जैसे अपना दल और निषाद पार्टी की तर्ज पर आरपीआई को भी उत्तर प्रदेश में गठबंधन में प्रतिनिधित्व देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे भाजपा को 2027 विधानसभा चुनाव में और अधिक सीटें मिलेंगी। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष द्वारा ईवीएम पर उठाए जा रहे सवालों को खारिज करते हुए कहा कि ईवीएम से भाजपा शासन में नहीं आई। यदि बैलेट पेपर से भी चुनाव हो, तो एनडीए को और बड़ी जीत मिलेगी। उन्होंने राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्ष महाराष्ट्र हारने के बाद ईवीएम का रोना रो रहा है, लेकिन झारखंड की जीत पर चुप्पी साध लेता है। बैठक के दौरान डॉ. आठवले ने पार्टी कार्यकताओं को पांव-पांव, गांव-गांव अभियान के तहत हर गांव और तहसील तक पार्टी का विस्तार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब की विचारधारा हर वर्ग को न्याय और समानता देती है। डॉ. आठवले ने तकरोही में आरपीआई के लखनऊ महानगर कार्यालय का उद्घाटन किया। निशातगंज में युवा प्रकोष्ठ कार्यालय का भी शुभारंभ किया गया। इन कार्यालयों से लखनऊ में पार्टी के संगठन को और मजबूत करने की योजना है। वहीं उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पवन भाई गुप्ता ने कहा कि मार्च 2025 तक सभी जिलों में पार्टी की कार्यकारिणी बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

लखनऊ में पाकिस्तान मुदाबार्द के लगे नारे

लखनऊ। जुमा की नमाज के बाद पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। बड़ा इमाम स्थित आसिफी मस्जिद के बाहर पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगे। मौलाना कल्बे जव्वाद ने पाकिस्तान के पाराचिनार में शिया नरसंहार का विरोध किया। मौलाना ने कहा- पाकिस्तान में खुले आम महिलाओं, बच्चों की हत्या हो रही है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा- पाकिस्तान में 100 से अधिक बेगुनाहों का खून बहाया गया। कई महीनों से निदोर्षों की हत्या का सिलसिला जारी है। इससे स्पष्ट है कि पाकिस्तान में आतंकवाद हावी है। पाराचिनार में शियों के नरसंहार पर यूएनओ समेत सभी शांति प्रिय देश खामोश तमाशा देख रहे हैं। मौलाना ने कहा- पाकिस्तान सरकार आतंकवाद पर काबू पाने में नाकाम रही है और यही वजह है कि सरकारी अधिकारियों की मौजूदगी में बेगुनाहों का खून बहाया जा रहा है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा- यूएनओ और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन हस्तक्षेप करें। इस अपराध के लिए पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। मौलाना ने कहा- पाकिस्तान सरकार के हाथ शिया लोगों के खून से रंगे हुए हैं। इस नरसंहार में अफगानिस्तान भी शामिल है। मुसलमानों में एक तबका ऐसा है जो शिया समुदाय को अपना दुश्मन मानता है। भारत सरकार से हमारी मांग है कि तत्काल इसमें हस्तक्षेप करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस विषय को उठाएं। मौजूदा समय में मानवता से जुड़ा हुआ यह सबसे गंभीर मुद्दा है। आज पूरे विश्व का हर देश प्रधानमंत्री की बात से प्रभावित होता है। अगर पीएम मोदी इस अपराध के खिलाफ नहीं बोलेंगे तो पूरे विश्व की शांति और भाईचारा पर गहरा प्रभाव पड़ेगा।

इटावा पुलिस द्वारा मात्र 12 घण्टे में गुमशुदा नाबालिग बालको को सकुशल बरामद कर किया गया परिजनो के सुपुर्द ।

> वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इटावा श्री संजय कुमार के निर्देशन मे थाना ऊसराहार पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही ।

संस्कार उजाला
संवाददाता मनोज पाठक इटावा

संक्षिप्त विवरणः- की रात्रि को प्रार्थी मनोज कुमार यादव पुत्र रतन सिंह तथा जगदीश यादव पुत्र राम सिंह निवासीगण ग्राम जाफरपुर थाना ऊसराहार जनपद इटावा द्वारा थाना ऊसराहार पर सूचना दी कि मनोज यादव का पुत्र आकाश यादव उम्र करीब 14 वर्ष तथा जगदीश यादव का पुत्र अमन कुमार उम्र करीब 14 वर्ष दोनों कक्षा 8 के छात्र हैं तथा अलग-अलग स्कूलों में पढ़ते हैं । दोनों बच्चे साइकिल से गांव में ही दुकान पर सामान लेने की बात कह कर घर से गए थे, जो अभी तक वापस नहीं आये । आस-पास काफी तलाश करने करने पर भी नही मिले । सूचना पर तत्काल थाना ऊसराहार पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए संभावित स्थानों पर गुमशुदा बालकों को तलाश किया गया एवं ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत जनपद मे लगाये गये सीसीटीवी कैमरों की मदद लेकर उक्त दोनो बालको को मात्र 12 घण्टे के अन्दर इटावा रेलवे स्टेशन के पास समय करीब प्रातः 08:00 बजे सकुशल बरामद किया गया । थाना ऊसराहार पुलिस द्वारा दोनो बालकों को उनके परिजनों का सुपुर्द किया गया ।अपने अपने बालकों को सकुशल पाकर उनके परिजनों द्वारा इटावा पुलिस की भूरि झ भूरि प्रशंसा की गयी । पुलिस टीमः- थानाध्यक्ष श्री मंसूर अहमद थाना ऊसराहार, उ0नि0 श्री संजय सिंह, का0 अंकित यादव मय टीम ।

सेंट जोसेफ्स स्कूल में तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का उद्घाटन

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के स्थानीय सेंट जोसेफ्स स्कूल में तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का उद्घाटन समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। सीओ जोश ने कहा कि इस शिविर का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व कौशल, अनुशासन और आत्मनिर्भरता का विकास करना है। उन्होंने बताया कि स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर छात्रों को जीवन में अनुशासन, टीमवर्क और समाज सेवा के महत्व को समझाने का एक सशक्त माध्यम है। प्रधानाचार्य श्रीमती जेसी जोश ने कहा कि यह शिविर कर्तव्यनिष्ठा, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने का कार्य करता है। प्रशिक्षक जेपी रावत ने बताया कि शिविर में शिविरार्थियों को तंबू निर्माण, प्राथमिक चिकित्सा, रोप वर्क और अन्य जीवन कौशल सिखाए जाएंगे। शिविर से आत्मविश्वास और समस्या समाधान, क्षमता का विकास होगा। संचालन शिक्षक अजय उपाध्याय ने किया।

कैंसर पीड़िता का अधिकारियों ने भरा टैक्स

लखनऊ। नगर निगम में मंगलवार को समाधान दिवस पर 48 आपत्तियों का निस्तारण किया गया। इस मौके पर जोन 5 से विमलेश का कुल टैक्स 24940 था । विमलेश ने बताया कि वह कैंसर पीडित है इसलिए टैक्स भरने में सक्षम नहीं है। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने ब्याज माफ करते हुए मूल राशि अधिकारियों ने मिलकर जमा कर दिया। समाधान दिवस में महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं। उन्होंने कहा कि लखनऊ वासियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए समाधान दिवस का आयोजन किया जा रहा है। आज कुल 48 आपत्ती आई जिसमें सभी का निस्तारण कर दिया गया। पहले की तुलना में लगातार आपत्तियों की

संख्या कम हो रही है। सभी जोन के आम जनता की समस्याओं को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त कोई निर्देश दिया गया है कि हर महीने के पहले शुक्रवार को नगर निगम में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा। पहले शुक्रवार को समाधान दिवस पर संबंधित तमाम अधिकारी उपलब्ध होंगे मौके पर समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा। सुषमा खर्कवाल ने बताया कि जोन 5 से आई विमलेश नाम की कैंसर पीडित घरों में काम करती है। उसकी आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय। आज तक उसने टैक्स नहीं जमा किया था जो लगभग 25000 हो गया था। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने सराहनीय कार्य करते हुए उसके ब्याज को माफ करके टैक्स स्वयं जमा कर दिया। पीड़िता के इलाज में भी हम लोग हर संभव मदद करेंगे।

सराहनीय कार्य के लिए सभी कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। समाधान दिवस में जोन 5 से आए रूप नारायण तिवारी ने बताया कि। विगत 6 वर्षों से टैक्स समायोजन के लिए संघर्ष कर रहे हैं। 2018 में टैक्स ज्यादा जमा हो गया था जिसका निस्तारण नहीं हुआ। 2022 में नगर निगम के द्वारा शासन में रिपोर्ट सौंप दी गई की समस्या का समाधान हो गया जबकि हुआ नहीं था। अब 2024 में निगम ने इसे स्वीकार किया है। हमारी मांग है कि जो 25 हजार अधिक राशि जमा कर दिया था उसका समायोजन हो , या फिर हमें वापस किया जाए।

ट्रेलर ने बाइक सवार को रौंदा, 1 की मौत

बस्ती । कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बड़ेबन के समीप सर्विस लेन पर एक ट्रेलर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसके चलते बाइक पर सवार एक की मौत हो गई, जबकि महिला सहित दो लोग घायल हो गए। सूचना पर तत्काल बड़ेबन चौकी इंचार्ज रामानंद सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने दोनों घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में एम्बुलेंस के जरिए भर्ती कराया। घटना शुक्रवार दोपहर की है, छावनी थाना क्षेत्र के रूपगढ़ निवासी बाढ़ू अपने बेटे महेश (19) और पत्नी श्रीमती के साथ बाइक से कहीं जा रहे थे, अभी वह उक्त स्थान पर पहुंचे ही थे कि एक ट्रेलर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दिया। जिसके चलते उनके 19 वर्षीय पुत्र महेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई, सड़क पर युवक मरा पड़ा था, जबकि महिला और पुरुष घायल अवस्था में तड़प रहे थे, इस बीच लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। जानकारी होने पर पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। मौके पर मौजूद चौकी इंचार्ज रामानंद सिंह ने बताया कि घायलों को तत्काल एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताते हैं कि युवक ही बाइक चला रहा था, पति-पत्नी बाइक पर बैठे थे। बताते हैं कि युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की तैयारी चल रही है।

सिया शरण पाण्डेय बने रालोद के प्रदेश सचिव

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व एमएलसी राम आशीष राय ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी जयंत के निर्देशानुसार व राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी के अनुमोदनोपरांत सिया शरण पाण्डेय को पार्टी का प्रदेश सचिव मनोनीत किया है। रालोद प्रदेश अध्यक्ष श्री राय ने जनपद के मधुरिया क्षेत्र फाजिलनगर निवासी श्री पाण्डेय को प्रदेश सचिव मनोनीत करते हुए आशा व्यक्त किया है कि आप भारत रत्न चौधरी चरण सिंह व स्व. अजित सिंह व पार्टी के विचारों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। श्री पाण्डेय के मनोनयन पर

रालोद मण्डल अध्यक्ष रामभवन राव, डा एसवीर सिंह, सुधीर शाही, सिंहासन गुप्त, जिलाध्यक्ष विनोद प्रताप कुंवर, एमएस निजामी, भगवान दयाल विश्वकर्मा, देवेन्द्र राय, सागर बाबू राणा, मनीष पांडेय सहित पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने बधाई दी है।

लखनऊ में खुले बिक रहे दूध और पनीर पर हुई सख्ती

लखनऊ। शहर में मिलावटी दूध और दूध से बने उत्पादों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी और खाद्य सुरक्षा आयुक्त के निर्देश पर अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण करते हुए 11 प्रतिष्ठानों से दूध और पनीर के नमूने लिए गए। इन नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

रिपोर्ट के आधार पर दोषी पाए जाने वाले खाद्य कारोबारियों पर

खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को खाद्य सुरक्षा की टीम ने चारबाग में मोहित डेयरी, टुड़ियागंज में राजू डेरी,

नरपतखेड़ा में आर्यन दूध डेयरी, पारा, राजाजीपुरम, अवध दूध डेयरी, सिटी स्टेशन रोड, खाद्य कारोबारी प्रमोद कुमार, सिटी स्टेशन रोड के यहां से भी दूध के सैंपल भरे गए। पनीर के नमूने लिए गए प्रतिष्ठान में खाद्य कारोबारी आबिद अली, सिटी स्टेशन रोड, श्री भोला डेरी, तालकटोरा रोड, आलमबाग, लखनऊ डेरी, आदर्श नगर, आलमबाग से पनीर के सैंपल लिए गए।

सहायक आयुक्त (खाद्य) विजय प्रताप सिंह ने बताया कि विभाग का यह अभियान मिलावटखोरी पर रोक लगाने और नागरिकों को शुद्ध व सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

जिलाधिकारी ने जन सुनवाई में आई शिकायतों के सख्त निस्तारण के दिये निर्देश

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान आई शिकायतों को सुनकर अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण और वख्त पर निस्तारण करने के दिये निर्देश। जनसुनवाई में करीब 103 शिकायते आई, जिनमें ज्यादातर का जिलाधिकारी मौके पर निस्तारण कर दिया। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित अधिकारियों के साथ वर्चुअल, जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित ढंग से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी तरह किसी शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित दूसरे माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का सभी अधिकारियों ने मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण कर उसकी समय से आख्या दी जाए।

संविधान दिवस समारोह 01 दिसंबर को

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अन्तर्गत वार्ड संख्या 22 महन्थ अवैद्यनाथ नगर स्थित रामलीला मैदान (सिसवा महंथ) के परिसर में 01 दिसंबर को सुबह 10 बजे से संविधान दिवस समारोह आयोजित है। उक्त जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष डा. राघवेंद्र सिंह ने देते हुए बताया कि आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो डा लक्ष्मण यादव होंगे। विशिष्ट अतिथि आईपीएस वीपी अशोक, एडवोकेट निर्देश सिंह, डा. रमाकांत कुशवाहा, चन्द्र भूषण यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार सेना डा. आरएस पटेल, गुजरात आरक्षण आंदोलन संयोजक चिराग भाई पटेल के रूप में भाग लेंगे। अध्यक्षता अवकाश प्राप्त जज सगीर आलम करेंगे।

तकनीकि में दक्ष युवा करेंगे विकसित भारत का सपना साकारः उमेश पाण्डेय

श्री योजना के तहत आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला

संवाददाता

कुशीनगर। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में गांगरानी में पीएम श्री योजना के तहत आयोजित पांच दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग कार्यशाला के दूसरे दिन प्रतिभागियों को रोजगार परक जानकारी दी गयी। एनआईईएलआईटी गोरखपुर द्वारा आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य उमेश पाण्डेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। श्री पाण्डेय ने पीएम श्री योजना के तहत चल रहे कार्यक्रम की चर्चा करते हुए कहा कि तकनीकि प्रशिक्षण रोजगार का सुनहरा अवसर। प्रशिक्षण प्राप्त जब आप दक्ष बनेंगे और रोजगार प्राप्त कर देश व परिवार की सेवा करेंगे तभी देश विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करेगा ।एनआईईएलआईटी गोरखपुर से आये प्रशिक्षक मनोज कुमार कुशवाहा एवं मनिष कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को बोर्ड व प्रोजेक्टर के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, पाइथन प्रोग्रामिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गुरुवार से शुरू प्रशिक्षण 3 दिसम्बर तक चलेगा। इस दौरान एम हुसैन, विश्वजीत, आर्यन द्विवेदी ने सहयोग किया।

गोरखपुर में पुलिस कस्टडी से आरोपी फरार

गोरखपुर । रेलवे स्टेशन के पास एक होटल से पश्चिम बंगाल का वांछित अपराधी पुलिस कस्टडी से फरार हो गया। दुष्कर्म के गंभीर आरोप में गिरफ्तार यह आरोपी, सौरव मंडल, पुलिस को चकमा देकर भाग निकला, जिससे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। घटना उस वक्त हुई जब पुलिसकर्मी होटल में जलपान कर रहे थे। सौरव मंडल, पश्चिम बंगाल के गजना मध्यपारा इलाके का रहने वाला है। नादिया जिले के सखाली थाने में उस पर दुष्कर्म का केस दर्ज है। मामले में फरार चल रहे सौरव को पश्चिम बंगाल पुलिस ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के बहराइच से गिरफ्तार किया था। 26 नवंबर को पश्चिम बंगाल पुलिस ने सौरव मंडल को ट्रांजिट रिमांड पर लिया और उसे वापस ले जा रही थी। 27 नवंबर को गोरखपुर रेलवे स्टेशन से दूसरी ट्रेन पकड़ने के लिए पुलिस टीम ने पास के अमित होटल में रुकने का निर्णय लिया। यहीं पर पुलिस की बड़ी चूक सामने आई। होटल में आराम करते समय पुलिस की नजरों से बचकर आरोपी फरार हो गया। घटना के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस ने गोरखपुर के कैंट थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। स्थानीय पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। होटल और रेलवे स्टेशन के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस टीमों को रेलवे स्टेशन और शहर के प्रमुख स्थानों पर सतर्क किया गया है।

जुमे की नमाज पर बस्ती पुलिस रही अलर्ट

बस्ती । संभल में जामा मस्जिद को लेकर हुई हिंसा को देखते हुए जिले की पुलिस भी अलर्ट रही। मस्जिदों के बाहर काफी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। इसके अलावा इंटेलिजेंस एजेंसियां भी पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रहीं। सूत्रों के अनुसार कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के नंबर भी सर्विलांस पर लगाए गए थे। शुक्रवार को संभल की जामा मस्जिद को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई पर सबकी नजर टिकी हुई थी। कहीं कोई हिंसा न हो इसके लिए जिले में सीओ सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी ने अपने सर्किल में मोर्चा संभाला हुआ था, इसके साथ ही पुरानी बस्ती, गांधीनगर सहित अन्य मस्जिदों के बाहर पुलिस बल तैनात थी, सीओ ने शहर में पेट्रोलिंग करते हुए लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। फिलहाल कोर्ट ने आदेश दिया कि मस्जिद का सर्वे रिपोर्ट नहीं खुलेगा, सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से कहा कि 8 जनवरी तक केस में कोई एक्शन न लें, शांति जरूरी है। कोर्ट की सुनवाई के बाद जिले में शांति रही, लोगों ने पूर्व की तहर ही जुमे की नमाज अदा की। पुलिस किसी तरह की कोई अप्रिय घटना न हो इसके लिए पूरी तरह से चौकन्ना था, मस्जिद के आस-पास के इलाकों पर ड्रोन कैमरों की मदद से निगरानी रखी गई थी। इसके साथ ही सादे लिबाज में पुलिस कर्मी लोगों की गतिविधियों पर नजर रखे हुए थे। सभी थानाध्यक्ष अपने-अपने थाना क्षेत्रों में अलर्ट पर थे।

जासूसी के आरोप में भारतीय शख्स गिरफ्तार, संवेदनशील जानकारियां भेजता था पाकिस्तान

देवभूमि द्वारका । गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने देवभूमि जिले के ओखा से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले एक भारतीय शख्स को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया शख्स प्राइवेट नौकरी की आड़ में भारतीय कोस्ट गार्ड की संवेदनशील सूचनाएं और तस्वीरें सीमा पार पाकिस्तान को भेजता था। जानकारी के मुताबिक गुजरात एटीएस ने देवभूमि द्वारका के ओखा में एक सफल ऑपरेशन को अंजाम देते हुए पाकिस्तान के लिए जासूसी कर रहे एक भारतीय को दबोच लिया। दीपेश गोहिल नामक शख्स पर आरोप है कि वह देवभूमि द्वारका के ओखा पर कोस्ट गार्ड की बेहद संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजता था। दीपेश गोहिल तटरक्षक जहाजों की आवाजाही समेत गतिविधियों की जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाता था। जांच में खुलासा हुआ है कि दीपेश गोहिल ने निजी कंपनी में नौकरी का झांसा देकर संवेदनशील तस्वीरें खींची और उन्हें पाकिस्तान भेज दिया। दिनेश गोहिल का सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के कुछ लोगों के साथ संपर्क हुआ था। जांच में पता चला कि तस्वीरें सोशल मीडिया और कुछ अन्य माध्यमों से पाकिस्तान भेजी गईं जो भारतीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचा सकती थीं। पूछताछ में कोस्ट गार्ड और भारतीय समुद्री सीमा की तस्वीरें पाकिस्तान के एक शख्स को भेजे जाने का खुलासा हुआ है। इस पूरे मामले में गुजरात एटीएस ने उस कंपनी के कुछ लोगों से भी पूछताछ की है जहां दिनेश काम करता था। साथ ही दीपेश गोहिल के संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जांच शुरू कर दी है।

प्रदर्शन की चेतावनी, इस बार राकेश टिकैत ने सीधे पीएम मोदी को लिखा पत्र, कर दी यह मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान नेता राकेश टिकैत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) बीजों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया। पत्र में ऐतिहासिक उदाहरणों का संदर्भ दिया गया है जहां आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों, जैसे बैसिलस थुरिंजिएन्सिस (बीटी) कपास की शुरूआत ने मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर उनके संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। टिकैत ने किसानों के सामने बढ़ती इनपुट लागत और अप्रत्याशित जलवायु परिस्थितियों, फसल की पैदावार को प्रभावित करने और किसानों की आय में कमी सहित बढ़ती चुनौतियों को भी संबोधित किया।

पत्र में, टिकैत ने बताया कि प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, किसानों को उनकी उपज का उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक दुर्दशा और खराब हो रही है। आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) फसलें वे पौधे हैं जिनके डीएनए को विशिष्ट वांछनीय लक्षण विकसित करने के लिए आनुवंशिक इंजीनियरिंग के माध्यम से संशोधित किया गया है। इस प्रक्रिया में अक्सर अन्य जीवों, जैसे बैक्टीरिया या पौधों के जीन को फसल की आनुवंशिक संरचना में शामिल करना शामिल होता है।

टिकैत ने अतीत में कुछ फसलों के खेत परीक्षण को रोकने के लिए भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) द्वारा उठाए गए कदमों को याद किया, और आज इसी तरह के खतरों के खिलाफ सतर्कता की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जीएम फसलों के सक्रिय विरोध के बावजूद, देश में ऐसी फसलों का अनधिकृत प्रवेश जारी है। टिकैत के अनुसार, आयात प्रक्रिया के दौरान मौजूदा नियमों और मानकों के कमजोर प्रवर्तन के कारण ऐसा होता है, जिससे राष्ट्रीय जैव सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा होता है।

इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए, टिकैत ने नियामक ढांचे को मजबूत करने और विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राजील जैसे जीएम-उत्पादक देशों से आयात की निगरानी बढ़ाने के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए एक बैठक बुलाने का सुझाव दिया। उन्होंने मानव स्वास्थ्य पर जीएम फसलों के हानिकारक प्रभावों, जैसे संभावित कैंसर के खतरे और त्वचा की बीमारियों, और पशुधन और परागणकों पर उनके हानिकारक प्रभावों के बारे में चेतावनी दी। टिकैत ने जीएम बीजों पर प्रतिबंध लगाने और अनधिकृत क्षेत्र परीक्षणों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने का आह्वान किया, अगर सरकार कार्रवाई करने में विफल रहती है तो बीकेयू द्वारा राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन की धमकी दी गई।

पेंच : सौदेबाजी के चलते महाराष्ट्र को नहीं मिल पा रहा सीएम

मुंबई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के घर हुई तीन घंटे की बैठक के बाद भी महाराष्ट्र का सीएम तय नहीं हो पाया है। इसके पीछे सौदेबाजी और नेताओं के अपने निजी स्वार्थ आड़े आ रहे हैं। माना जा रहा है कि कौन सा विभाग किसके पास होगा इसको लेकर भी चर्चा हुई है। गठबंधन के सहयोगियों के बीच मंत्रिमंडल में पदों के बंटवारे का खाका तैयार किया गया। महायुति सरकार के अगले सप्ताह की शुरुआत में शपथ लेने की संभावना है। बैठक के दौरान तय हुआ कि मुख्यमंत्री पद भाजपा के पास रहेगा, जबकि दो उपमुख्यमंत्री पदों पर शिवसेना और एनसीपी के नेताओं को नियुक्त किया जाएगा। भाजपा शनिवार को मुंबई में अपने विधायकों की बैठक में मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के नाम की घोषणा करेगी। अगर देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बनते हैं, तो वह गृह विभाग अपने पास रख सकते हैं। वहीं, वित्त विभाग एनसीपी को मिलने की संभावना है। शिवसेना को शहरी विकास और सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे विभाग मिल सकते हैं। कैबिनेट में 43 मंत्री होंगे, जिनमें से 22 पद भाजपा के पास होंगे। शिवसेना को 12 और एनसीपी को 9 मंत्री पद मिलने की संभावना है। कैबिनेट के अलावा, गठबंधन के दल बोर्ड और निगमों में भी हिस्सेदारी पर सहमत हो चुके हैं। एनसीपी ने अपने वरिष्ठ नेता प्रफुल्ल पटेल को नरेंद्र मोदी सरकार में शामिल करने की मांग की है, जबकि शिवसेना भी केंद्रीय कैबिनेट में एक मंत्री पद चाहती है। शिवसेना के प्रवक्ता संजय शिरसाट ने कहा कि वर्तमान कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद लेने के इच्छुक नहीं हैं। चर्चा है कि वह अपने बेटे श्रीकांत शिंदे के लिए यह पद छोड़ सकते हैं और खुद केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री बनने पर विचार कर सकते हैं बैठक में महाराष्ट्र के जातिगत समीकरणों पर भी चर्चा हुई। भाजपा ने गैर-मराठा मुख्यमंत्री की संभावित प्रतिक्रिया और मराठा समुदाय के प्रतिनिधित्व को संतुलित करने के लिए रणनीति तैयार की।

अहमदाबाद पुलिस ने नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में चार लोगों को पकड़ा

अहमदाबाद । गुजरात के अहमदाबाद में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में पुलिस ने एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक सहित चार लोगों को पकड़ा है। वटवा के एक गोदाम से नकली नोट मिले हैं। अहमदाबाद पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को अहमदाबाद के वेजलपुर में नकली करेंसी सर्कुलेशन के बारे में सूचना मिल थी। जिसके बाद इस नकली करेंसी रैकेट का भंडाफोड़ किया गया। 24 साल के मजदूर रौनक राठौड़ को सबसे पहले 50 डॉलर के 119 नकली ऑस्ट्रेलियाई नोट बदलने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया था। राठौड़ ने पूछताछ में बताया कि उसे नकली नोट 24 साल के खुश पटेल से मिले थे, जिसे गिरफ्तार किया गया। खुश ने पुलिस को कथित मास्टरमाइंड 36 साल के मौलिक पटेल तक पहुंचाया, जो एक ट्रांसपोर्ट कारोबारी है। एसओजी को पता चला कि मौलिक 20 साल के छात्र ध्रुव देसाई के साथ मिलकर वटवा केएक कारखाने में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने का काम करता है। पुलिस ने 50 डॉलर के 32 तैयार नकली नोट और 18 आंशिक रूप से छपे हुए नोट बरामद किए हैं। जब्त की गई वस्तुओं की कुल कीमत 11,92,500 है, जिसमें 2,10,000 मूल्य के सात मोबाइल फोन और 16,500 भारतीय करेंसी शामिल है। पुलिस ने नकली करेंसी के लिए टेम्पलेट के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली असली करेंसी भी बरामद की। पिछले महीने नवरंगपुरा इलाके में एक सर्राफा व्यापारी से 500 रुपये के नकली नोटों की स्कीम के जरिए 1.6 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

संभल में जुमे की नमाज को लेकर अलर्ट जारी, पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

`* लोगों से की शांति की अपील, किसी भी तरह की अफवाह पर ना दें ध्यान

मुरादाबाद (एजेंसी)। संभल हिंसा के बाद जिले में अलर्ट जारी है। सोशल मीडिया, व्हॉट्सएपग्रुप और फेसबुक पर पुलिस पूरी तरह से नजर रख रही है। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर विशेष रूप से अलर्ट जारी किया है। शहर को 10 जोन और 43 सेक्टर में बांटा गया है। जामा मस्जिद, जीआइसी और कांठ रोड की गुलाब मस्जिद के बाहर फोर्स तैनात की गई है। पुलिस ने शहर के उलेमाओं से संवाद करने के साथ ही फ्लैग मार्च भी निकाला और लोगों से अपील की गई कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान ना दें। अपील की कि शहर हमारा है और अमन की जिम्मेदारी भी हमारी है। इसलिए अपने क्षेत्र में किसी भी अनजान को देखें तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

संभल में बवाल के बाद पुलिस सभी धर्मगुरुओं से संवाद कर रही है। एसपी सिटी ने नायब शहर इमाम मुफ्ती सैयद फहद अली के अलावा शहर के अन्य उलेमाओं के पास पहुंचे। एसपी सिटी ने कहा कि जुमे की नमाज में सभी उलेमा नेकी की हिदायत दें। शहर के माहौल को खराब नहीं होने देना है। युवाओं से अपील करनी है कि किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान ना दें। हम सभी को शांति स्थापित करना है। शहर के माहौल को बिगड़ने नहीं देना है। इस दौरान मुफ्ती अशहद रशीदी, मुफ्ती दानिश उल कादरी, रिजवान उर्र रहमान, शुजाअत अशरफी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

संभल हिंसा के मामले में पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। कोतवाली संभल क्षेत्र में हिंसा के दौरान चिन्हित किए गए तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इन आरोपितों पर हिंसा भड़काने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और शांति भंग करने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर हिंसा के अन्य संभावित आरोपियों और उनकी साजिश का खुलासा करने का प्रयास कर रही है। साथ ही, इस कार्रवाई को हिंसा से प्रभावित क्षेत्र में शांति बहाल करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पीएम बिरयान खाने जा सकते हैं, पर भारत खेलने पाकिस्तान नहीं जाएगा

–तेजस्वी यादव ने कहा– खेलकूद में राजनीति अच्छी बात नहीं

रांची (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया है। इस पर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि खेलकूद में राजनीति अच्छी बात नहीं है। कोई भी कहीं भी खेलने जाए ये अच्छी बात है। हमारे देश में सभी देश के लोग खेलने आते हैं। हम लोग यही चाहते हैं। खेलकूद की भावना अलग है। हमको लगता है जो लोग इन सब चीजों पर राजनीति करते हैं यह बात ठीक नहीं है।

तेजस्वी ने कहा कि हम लोग तो सबके साथ खेलते ही हैं। ओलंपिक में सभी देशों के लोग शामिल होते ही हैं। वहां युद्ध थोड़े ही होता है, वहां केवल खेल होता है। खेल को खेल की नजर से देखना चाहिए। भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरा करने के सवाल पर तेजस्वी यादव ने कहा कि क्यों नहीं जाना चाहिए, बिल्कुल जाना चाहिए। क्या पहले कभी भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान नहीं गई। पहले वह लोग भी आते थे, हम लोग भी जाते थे। पीएम बिरयानी खाने पाकिस्तान जाएं तो अच्छी बात है। इंडियन टीम क्रिकेट खेलने जाए तो यह बात हजम नहीं हो रही है।

भारत सरकार ने भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाकर खेलने से इनकार कर दिया है। भारत के कुछ पूर्व क्रिकेटर भी इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी भारत की भागीदारी के बिना नहीं हो सकती। उन्होंने पड़ोसी देशों के बीच सुरक्षा और राजनीतिक तनाव के कारण राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान न भेजने के भारत सरकार के फैसले का समर्थन किया।

बता दें कि भारत की ओर से पाकिस्तान जाने से इनकार करने के बाद, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का भविष्य अधर में लटक गया है, शुक्रवार को आईसीसी बोर्ड की बैठक में इसके कार्यक्रम के बारे में अंतिम फैसला होना है। पाकिस्तान जाने पर भारत की आपत्ति के बीच, टूर्नामेंट संभवतः हाइब्रिड मॉडल में खेला जाएगा, जिसमें भारत अपने मैच तटस्थ स्थल पर खेलेगा।

मध्य भारत में ठंड का असर : 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट, तूफान फेंगल 30 नवंबर को तमिलनाडु से टकरा सकता है

नई दिल्ली । देश के राज्यों में ठंड का मौसम बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने मध्य भारत के 8 राज्यों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। इनमें हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। हिमाचल प्रदेश में लाहौल स्पीति क्षेत्र में रात का तापमान माइनस 11 डिग्री तक पहुंच गया है। ??विशेषज्ञों का कहना है ?कि ठंड और बढ़ सकती है। मध्य भारत में मध्य प्रदेश के कुछ भागों में भी सर्दी का महसूस किया जा रहा है। जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग में ज्यादा सर्दी पड़ रही है। यहां रात का तापमान 7 डिग्री से नीचे है। तमिलनाडु में फेंगल तूफान के असर से बारिश की संभावना है, जिससे कई इलाकों में तेज बारिश की गिरिवात चल रही है। आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी बारिश का अनुमान है। इस तरह से देश के विभिन्न क्षेत्रों में मौसम की भारी बदलाव से लोग सतर्क रहें और ठंड से अपनी सुरक्षा का ख्याल रखें।

कोलकाता में सड़कें रही जाम, हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने किया प्रदर्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगल की राजधानी कोलकाता में सड़कें जाम रहीं। हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कोलकाता की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में चल रहे संकट के खिलाफ प्रदर्शन किया, वहीं मुस्लिम संगठनों ने वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में प्रदर्शन किया। बंगाल स्टेट जमीयत-उल-उलमा की ओर से विरोध में सभा आयोजित की गई। शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग विरोध में शामिल हुए। उन्होंने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ आवाज उठाई और साथ ही एक स्वतंत्र फिलिस्तीन राज्य की भी मांग की।

हिंदू संगठनों का प्रदर्शन– वहीं दूसरी ओर हिंदू संगठनों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे कथित अत्याचारों पर प्रदर्शन किया। उन्होंने केंद्र से मुद्दे पर हस्तक्षेप करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कड़ा रुख अपनाने की मांग की। इन दोनों बड़े प्रदर्शनों के चलते कोलकाता की यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। शहर के महत्वपूर्ण मार्गों पर जाम लगा रहा और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

टी राजा के बयान से कांग्रेस हुई लाल, खत लिखाकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

इंदौर (एजेंसी)। बीजेपी विधायक टी राजा ने महाकाल में दर्शन करने के बाद बयान देकर कहा था कि महाकाल मंदिर पवित्र और प्राचीन स्थल है। मंदिर से 50 किलोमीटर दूर तक किसी भी मुसलमान की होटल नहीं होना चाहिए। बीजेपी विधायक के बयान के बाद अब मध्यप्रदेश कांग्रेस की बीजेपी सरकार पर हमलावर हो गई है। इंदौर कांग्रेस के नेता और पीसीसी के पूर्व महासचिव ने बीजेपी विधायक टी राजा के बयान पर डीजीपी से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है। बता दें कि बीजेपी के विधायक राजा हैदराबाद की गोशामहल सीट से विधायक हैं।

मप्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव राकेश सिंह यादव ने डीजीपी को पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि गोशामहल विधानसभा से विधायक टी राजा ने उज्जैन में एक बयान दिया है। सार्वजनिक रूप से दिए गए बयान का उद्देश्य वर्ग विशेष के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को भड़का कर मप्र में सांप्रदायिक तनाव बढ़ना है। भारत के संविधान एवं कानून का खुलेआम उल्लंघन किया गया हैं। विधायक अल्पसंख्यक वर्ग के धर्म और धार्मिक विश्वासों का अपमान कर, उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा कर और हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को भड़का कर अराजकता फैलाना चाहते हैं। कांग्रेस की मांग है कि विधायक टी राजा पर प्रदेश में सांप्रदायिक नफ़रत फैलाने का बयान देने के चलते एफआईआर दर्ज करे।

टी राजा ने की थी सीएम से सर्वे की मांग

इसके पहले टी राजा ने कहा था कि महाकाल मंदिर पवित्र और प्राचीन स्थल है। मंदिर से 50 किलोमीटर दूर तक किसी भी मुसलमान की होटल नहीं होना चाहिए। टी राजा ने कहा था कि हिंदू यदि अपवित्र जगह में रहकर मंदिर आएंगे, तब पूजा भी स्वीकार नहीं होगी। एमपी के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से निवेदन करता हूं कि महाकाल मंदिर के आसपास जो होटल हैं, उनका सर्वे होना चाहिए। इसमें क्या पक रहा है, क्या बेचा जा रहा है? जांच की जानी चाहिए।

श्रीलंका ने निभाया पड़ोसी धर्म, समुद्र में हो रही ड्रग स्मगलिंग का भेजा मैसेज

– अपने ही नागरिकों को भारतीय नौसेना से पकड़वाकर भेजा जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दूर-दूर तक फैला नीला समुद्र तस्करी करने वाले श्रीलंका ने ये सोचा भी नहीं होगा कि कोई उन्हें कोई देख भी रहा है और वह पकड़े जाएंगे लेकिन वह पकड़े गए और ये हुआ श्रीलंका की तरफ से भेजे गए एक टिप के बाद। समुद्र में ड्रग की स्मगलिंग करने वाले अपने नागरिकों को श्रीलंका ने ही भारतीय नौसेना के जरिए पकड़वाया है।

इस पूरे ऑपरेशन की जानकारी भारतीय नौसेना ने साझा करते हुए कहा कि श्रीलंका की नौसेना की तरफ से एक मैसेज मिला कि अरब सागर श्रीलंका फ्लैग फिशिंग वेसेल के जरिए ड्रग की स्मगलिंग हो रही है। मैसेज मिलते ही नौसेना से उस बोट को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया। चूंकि मैसेज इतना ही था कि अरब सागर के इस इलाके में श्रीलंकाई फिशिंग बोट में ड्रग है और इतने बड़े समुद्र में बोट को ढूंढना चुनौती से कम नहीं था।

भारतीय नौसेना ने अपने लॉग रेंज मेरिटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट पी8आई और ड्रोन को एरियल सर्विलांस के लिए लॉन्?च किया तो गुरुग्राम स्थित नौसेना के इनफार्मेशन फ्यूजन सेंटर से इनपुट मिलने के बाद समुद्र में वॉरशिप को भी मूव किया। लंबे सरवेलांस के बाद 24-25 नवंबर को दो श्रीलंकाई फिशिंग बोट को पहचान लिया गया, उसे पकड़ा गया। तलाशी के बाद उसमें से 500 किलोग्राम क्रिस्टल मेथ ड्रग बरामद की गई। दोनों बोट और उसमें पकड़े गए लोगों को श्रीलंका के हवाले कर दिया गया है।

भारतीय नौसेना अरब सागर में श्रीलंका की बोट को ढूंढ रही थी तो उसी वक्त बंगाल की खाड़ी में अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड भी ड्रग से भरी म्यांमार की फिशिंग बोट को तलाश रही थी। 23 नवंबर के अंडमान निकोबार के पास कोस्ट गार्ड के डॉर्नियर एयरक्राफ्ट ने भारतीय ईईजेड में एक संदिग्ध बोट को देखा तो तुरंत कार्रवाई करते हुए को कोस्ट गार्ड ने बोट को रोककर तलाशी ली और अब तक की सबसे बड़ी ड्रग की खेप पकड़ में आई। इस ऑपरेशन में 5500 किलो मेटाफेटामाइन बरामद किया है। इसे पिंक ड्रग या जाबा के तौर पर भी जाना जाता है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के मुख्य शूटर गौतम का लॉरेंस को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

मुंबई। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में नया मोड़ आ गयास है। एनसीपी नेता की हत्या में शामिल आरोपी ने बड़ा दावा कर दिया है। आरोपी ने दावा किया है कि जब बाबा सिद्दीकी की हत्या की साजिश रची जा रही थी, तब गुजरात की जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। मुख्य शूटर शिवकुमार गौतम ने क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। मुख्य शूटर गौतम ने अधिकारियों को बताया कि हत्या की योजना बनाने के दौरान लॉरेंस बिश्नोई से बातचीत की थी। लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद है। शूटर ने बताया कि इस दौरान बिश्नोई ने शूटर को हत्या के बाद पुलिस से डरने की जरूरत नहीं की बात कही थी। लॉरेंस ने गौतम से कहा था कि अगर वह पकड़ा जाता है, तब भी वह घबराए नहीं, उस जेल से कुछ ही दिनों में बाहर निकल गया। शूटर गौतम ने बताया कि बिश्नोई ने हत्या के लिए उस 12 लाख रुपये देने का वादा किया था। इसके अलावा, जेल से बाहर आने के बाद विदेश भेजने की व्यवस्था करने का भी आश्वासन दिया था। गौतम के अनुसार बिश्नोई ने बताया कि उसके पास वकीलों की एक टीम है, जो उसकी गिरफ्तारी के बाद कुछ ही दिनों में रिहा करवा देगी।

शिक्षा का स्तर बढ़ा, नौकरियां नहीं, भारत में हर 100 में से 3 लोग बेरोजगार

–बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा केरल में, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु भी पीछे नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में बेरोजगारी एक अहम सामाजिक और आर्थिक मुद्दा रही है। देश में बेरोजगारी को लेकर बहस होती रहती है। सरकारी आंकड़े और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति हफ्ते में कम से कम एक घंटा ऐसा काम करता है, जिससे आय होती है, तो उसे बेरोजगार नहीं माना जाता है। यह परिभाषा कई देशों में बेरोजगारी को मापने का आधार है। भारत में बेरोजगारी की समस्या इससे कहीं ज्यादा जटिल है। सरकारी रिपोर्ट्स के मुताबिक देश में हर 100 में से केवल तीन लोग बेरोजगार हैं। असली चुनौती यह है कि 78 फीसदी कामकाजी लोगों की मासिक आय 14 हजार रुपए से कम है। ऐसे में भले ही ये लोग बेरोजगार नहीं माने जाते हैं, उनकी कमाई इतनी कम होती है कि उन्हें अपना परिवार चलान भी मुश्किल होता है।

भारत का सबसे शिक्षित राज्य केरल, जिसकी साक्षरता दर 96.2 फीसदी है, वहां बेरोजगारी दर देश में सबसे ज्यादा 7.2 फीसदी है। यह स्थिति चौंकाने वाली है, क्योंकि ज्यादा साक्षरता को आमतौर पर रोजगार से जोड़कर देखा जाता है। इसके विपरीत, मध्य प्रदेश में बेरोजगारी दर सबसे कम एक फीसदी है। यह विरोधाभास देश में रोजगार व्यवस्था और अवसरों की असमानता को उजागर करता है।

केरल के बाद बेरोजगारी दर में पंजाब (5.5 फीसदी), राजस्थान (4.2फीसदी), और तमिलनाडु (3.5फीसदी) का स्थान है। दूसरी ओर, गुजरात, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में बेरोजगारी दर क्रमशः 1.1फीसदी, 1.3फीसदी, और 2.5फीसदी है। पढ़ाई और बेरोजगारी के बीच एक चिंताजनक संबंध देखने को मिलता है। पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे और आईएलओ की रिपोर्ट्स बताती हैं कि उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले युवाओं में बेरोजगारी का स्तर ज्यादा है। डिप्लोमा या उच्च शिक्षा प्राप्त लोगों में यह दर 12फीसदी से भी ज्यादा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत के कुल बेरोजगारों में 83फीसदी युवा थे। यह आंकड़ा दिखाता है कि शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार की कमी एक गंभीर समस्या बन गई है। आंकड़े धर्म के आधार पर बेरोजगारी की स्थिति को भी उजागर करते हैं।

सिख समुदाय में बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा 5.8फीसदी है। ईसाई समुदाय में यह दर 4.7फीसदी है। मुस्लिमों में 3.2फीसदी और हिंदुओं में यह 3.1फीसदी है। कामकाजी आबादी के की बात करें तो, हिंदुओं में यह 45 फीसदी, मुस्लिमों में 37फीसदी, सिखों में 42फीसदी, और ईसाइयों में 45फीसदी है। रिपोर्ट बताती है कि पिछले 20 सालों में शिक्षित बेरोजगारों की हिस्सेदारी दोगुनी हो गई है। सन 2000 में बेरोजगारों में पढ़े-लिखे लोगों का हिस्सा 35.2 फीसदी था, जो 2022 में बढ़कर 65.7 फीसदी हो गया। यह तथ्य दर्शाता है कि शिक्षा के बढ़ते स्तर के बावजूद रोजगार के अवसर नहीं बढ़े। भारत में बेरोजगारी की समस्या केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। यह सामाजिक और आर्थिक असमानता का एक बड़ा संकेत है। शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए सरकार को नई नीतियां लाने और वर्तमान रोजगार व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरुरत है। कौशल विकास, स्वरोजगार को बढ़ावा, और क्षेत्रीय असमानता को कम करना इसके समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। भारम में आर्थिक विकास के बावजूद बेरोजगारी का उच्च स्तर और निम्न आय यह दर्शाते हैं कि विकास के लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ-साथ कामकाजी लोगों की आय बढ़ाने की भी जरूरत है। यदि इस समस्या का समाधान समय रहते नहीं किया गया, तो इसका प्रभाव देश के सामाजिक और आर्थिक ढांचे पर देखने को मिलेगा।

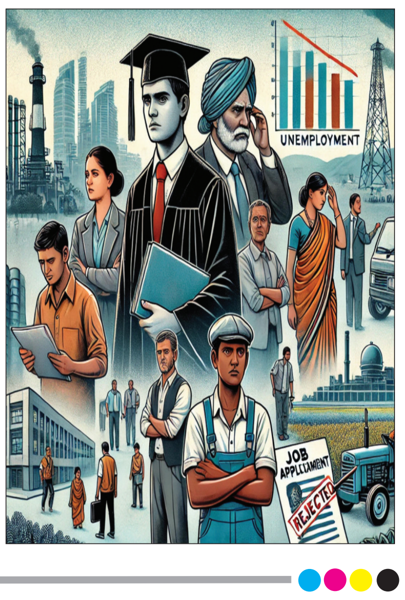

संक्षिप्त समाचार

लंदन में ऐतिहासिक मछली, मांस बाजार बंद होंगे ; समाप्त होगी 1000 साल पुरानी परंपरा

लंदन, एजेंसी। लंदन के दो सबसे प्रसिद्ध बाजार – एक मछली बाजार, दूसरा मांस बाजार – आने वाले वर्षों में बंद होने वाले हैं, जिससे मध्ययुगीन दौर से यहां चली आ रही कारोबारी परंपराएं समाप्त हो जाएंगी। राजधानी शहर के ऐतिहासिक केन्द्र का शासी निकाय 'सिटी ऑफ लंदन कॉरपोरेशन' बुधवार को संसद में एक विधेयक पेश करने जा रहा है जिसके तहत बिलिंग्सगेट मछली बाजार और स्मिथफील्ड मांस बाजार के संचालन की उसकी जिम्मेदारियों को समाप्त किया जाएगा। ये दोनों ही बाजार 11वीं शताब्दी से किसी न किसी रूप में अस्तित्व में हैं। एक दिन पहले ही निगम ने निर्णय लिया था कि वह बाजारों को लंदन के पूर्व में डेगनहैम में नए विकास स्थल पर शिफ्ट नहीं करेगा। इसने हाल ही में महंगाई के दौर और निर्माण लागत में वृद्धि के परिणामस्वरूप बढ़ते खर्च के कारण नियोजित कदम को छोड़ दिया। वर्तमान में इसकी लागत लगभग एक अरब पाउंड (1.25 अरब डॉलर) है। इसके बजाय, बाजार के व्यापारियों के साथ एक नए समझौते के तहत, निगम वित्तीय मुआवजा और सलाह प्रदान करेगा। व्यापारियों के पास यह तय करने के लिए थोड़ा समय है कि उन्हें क्या करना है, क्योंकि परिचालन कम से कम 2028 तक जारी रहेगा।

ट्रंप कैबिनेट के मनोनीत सदस्यों और नियुक्त लोगों को धमकियां, अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में कैबिनेट स्तर के कई मनोनीत और शीर्ष प्रशासनिक पदों पर

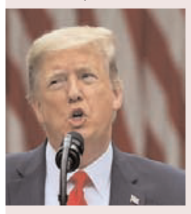

नियुक्त लोगों तथा उनके परिवार के सदस्यों को धमकियां मिली हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने उन धमकियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने कहा कि कल रात और आज सुबह मनोनीत तथा नियुक्त सदस्यों को धमकियां मिली हैं। कानून प्रवर्तन और अन्य अधिकारियों ने लक्षित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की 'लिमोजिन' से पुलिस की कार टकराई, किसी के हताहत होने की खबर नहीं

वेलिंगटन , एजेंसी। वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और वित्त मंत्री निकोला विलिस को ले जा रही एक सरकारी 'लिमोजिन' कार के पिछले हिस्से से पुलिस की एक कार टकरा गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दुर्घटना बुधवार दोपहर को न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन में हवाई अड्डे की मुख्य सड़क पर हुई, जहां संसद स्थित है। हालांकि दुर्घटना मामूली थी और इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। पुलिस ने टक्कर की जांच शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड का गृह मंत्रालय आधिकारिक वाहनों का प्रबंधन करता है। गृह मंत्रालय ने कहा कि इस दुर्घटना में 'लिमोजिन' कार का पिछला हिस्सा क्षतिगस्त हो गया है। लक्सन ने बृहस्पतिवार को ऑकलैंड में संवाददाताओं से कहा कि दुर्घटना ''थोड़ा चौंकाने वाली'' थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ''ठीक'' हैं और उन्हें नहीं पता कि कार को सेवा से हटा लिया जाएगा या नहीं।

अमेरिका में जब्त किए गए अब तक के सबसे ज्यादा नकली गिटार

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका में सीमा शुल्क विभाग ने 3,000 से अधिक नकली गिब्सन इलेक्ट्रिक गिटार पकड़े हैं। यह रिकॉर्ड नकली म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स की जब्ती है। इसकी जानकारी अमेरिका के सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा ने दी। साल 1902 में कलामजू, मिशिगन में स्थापित प्रतिष्ठित अमेरिकी गिटार ब्रांड ने अपने सभी उपकरणों का उत्पादन विशेष रूप से अमेरिकी में किया है। एक नए प्रामाणिक गिब्सन गिटार की कीमत आमतौर पर 500 यूएस डॉलर से 2,000 डॉलर के बीच होती है। जबकि, कुछ मॉडल 10,000 डॉलर में भी बिकते हैं। लॉस एंजिल्स बीच सीपोर्ट के सीमा शुल्क अधिकारियों के अनुसार, यह नकली गिटार ई–कॉमर्स बाजार के लिए थे, अगर असली होते तो उनकी अनुमानित कीमत 18 मिलियन डॉलर होती। ऐसे प्रोडक्ट अक्सर निम्न–गुणवत्ता या खराब सामग्रियों का उपयोग करके बनाए जाते हैं। यह हमारे स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। साथ ही इसका घटिया क्वालिटी का सामान आग लगने के खतरे को भी पैदा कर देते हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह जब्ती उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन या संदिग्ध स्रोतों से धोखाधड़ी वाले उत्पादों को खरीदने के जोखिमों के लिए जागरुक करने वाली थी। पोर्ट के निदेशक अफ्रीका बेल ने कहा, वह लोग धोखेबाज हैं और यह सब अमेरिकी उपभोक्ता को धोखा देने के एक बड़े प्रयास का हिस्सा है। बेल ने आगे कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में, दक्षिणी कैलिफोर्निया बंदरगाह पर 2 बिलियन डॉलर से अधिक के नकली उत्पाद जब्त किए गए थे। पोर्ट द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, लॉस एंजिल्स का पोर्ट संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे व्यस्त कंटेनर पोर्ट है।

अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर भड़का हिंदू-अमेरिकी समूह, बांग्लादेश के खिलाफ प्रतिबंध की मांग की

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल ही में हिंदुओं के जाने-माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। अब ढाका में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने पर अमेरिका में भी गुस्सा भड़क गया है। यहां कई हिंदू-अमेरिकी समूहों ने मांग की है कि दक्षिण एशियाई देश के लिए अमेरिकी सहायता इस शर्त पर निर्भर होनी चाहिए कि वहां की सरकार इन आबादियों की सुरक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करे।

पांच अगस्त को हसीना को देश छोड़कर जाना पड़ा था : बता दें कि बांग्लादेश में कई महीनों से तनाव का माहौल है। हालात ऐसे हो गए कि इस साल पांच अगस्त को शेख हसीना को पीएम पद से इस्तीफा देना पड़ा और देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद भी हिंदुओं भी इस हिंसा की चपेट में आने लगे। अक्तूबर के महीने में चटगांव में हजारों बांग्लादेशी हिंदुओं ने अपने अधिकार और सुरक्षा की मांग को लेकर सड़कों पर प्रदर्शन किया था। यहां 17 करोड़ की आबादी का केवल आठ प्रतिशत हिंदू हैं। पांच अगस्त से अबतक 50 जिलों में 200 से अधिक हमले हो चुके हैं।

हालात इस सप्ताह और बिगड़े : इस हफ्ते हालात तब और बिगड़ गए जब हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया गया। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से

इनकार कर दिया और जेल भेज दिया। इससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। बता दें, दास इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के सदस्य थे और उन्हें हाल ही में निष्कासित कर दिया गया था।

क्या बोले वीएचपीए: विश्व हिंदू परिषद अमेरिका (वीएचपीए) के अध्यक्ष अजय शाह ने कहा कि दास की गिरफ्तारी, चटगांव के काली मंदिर में तोड़फोड़ और पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों की खबरें परेशान करने वाली हैं। उन्होंने पूछा, क्या यह मानवाधिकार की विरासत है, जिसके लिए बाइडन प्रशासन याद किया जाना चाहता है। अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी अपराधियों को देती बढ़ावा

विहिप के महासचिव अमिताभ मित्तल ने कहा, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ चल रहे अत्याचारों के बारे में वैश्विक मीडिया की चुप्पी चौंकाने वाली है। इस्कॉन के एक पुजारी की हालिया गिरफ्तारी और हिंदू मंदिरों पर हिंसक हमले धार्मिक असहिष्णुता में खतरनाक वृद्धि को दर्शाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये घटनाएं भेदभाव का एक बड़ा पैटर्न है। उन्होंने आगे कहा, अंतरराष्ट्रीय निंदा की कमी केवल अपराधियों को बढ़ावा देती है और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और स्वतंत्रता को खतरा पैदा करती है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लिखे एक खुले पत्र में हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट (एचएफएएफ) ने बांग्लादेश में बीजिंग की महत्वाकांक्षाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए अमेरिकी वित्तपोषण रोकने और अमेरिका एवं उसके सहयोगियों को सीधे तौर पर लाभ पहुंचाने वाली पहलों को प्राथमिकता देने की सिफारिश की है।

नागरिकों की सुरक्षा करने में नाकाम सरकार का नहीं करना चाहिए समर्थकः संदूजा एचएफएएफ के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदूजा ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध और ईसाई समुदायों ने व्यवस्थित हिंसा और भेदभाव का सामना किया है। हम विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आपका प्रशासन बांग्लादेशी सरकार पर अमेरिकी सहायता को निर्भर करता है जो इन आबादी की रक्षा के लिए कार्रवाई कर रही है। करदाताओं को कभी भी उन सरकारों का समर्थन नहीं करना चाहिए जो अपने सबसे कमजोर नागरिकों की रक्षा करने में नाकाम रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ बांग्लादेशी अधिकारियों के जमात-ए-इस्लामी और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे चरमपंथी समूहों से संबंध हैं और ये संबंध अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं। संदूजा ने अपने पत्र में कहा, हम सम्मानपूर्वक वीजा प्रतिबंधों और सख्त निगरानी की सिफारिश करते हैं ताकि इन विचारधाराओं को अमेरिकी धरती पर पैर जमाने से रोका जा सके।

कश्मीर छोड़ो, काम की बात करो; बेलारूस के राष्ट्रपति ने कर दी शहबाज शरीफ की फजीहत

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मुलाकात बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ उस समय चर्चा का विषय बन गई जब कश्मीर मुद्दे पर शरीफ को साफ जवाब मिला। तीन दिवसीय दौरे पर पाकिस्तान आए लुकाशेंको ने स्पष्ट कर दिया कि वह किसी भी राजनैतिक मुद्दे पर चर्चा करने नहीं आए हैं। जब शहबाज शरीफ ने कश्मीर का मुद्दा उठाया तो लुकाशेंको ने कहा, मैं यहां केवल व्यवसाय और द्विपक्षीय सहयोग पर बात करने आया हूं। इस परिस्तिथि ने न सिर्फ शरीफ की स्थिति असहज कर दी बल्कि बेलारूस के राष्ट्रपति के स्पष्ट रुख ने पाकिस्तान के कूटनीतिक प्रयासों पर भी सवाल खड़े कर दिए। बेलारूस के राष्ट्रपति का यह बयान पाकिस्तान के लिए शर्मिंदगी का कारण बन गया, खासकर तब जब शरीफ ने प्रोटोकॉल तोड़कर उनका स्वागत करने के लिए खुद एयरपोर्ट पर पहुंचकर अपनी गर्मजोशी दिखाई थी। पाकिस्तानी पत्रकार आरजू काजमी ने इसे लेकर अपने यूट्यूब चैनल पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि कश्मीर का हर मंच पर मुद्दा उठाना पाकिस्तान की राजनीति और कूटनीति का हिस्सा बन गया है, लेकिन लुकाशेंको का जवाब यह दर्शाता है कि सभी देश इस मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन नहीं कर सकते। इससे पहले, पाकिस्तान के गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने भी विवादित बयान देकर पाकिस्तान को और मुश्किल में डाल दिया था। जब उनसे पूछा गया कि क्या कश्मीर के लोग इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि कश्मीर विदेशी भूमि है। इस बयान ने पाकिस्तानी सियासत में हलचल मचा दी और विपक्षी दलों ने इसे राष्ट्रीय नीति के खिलाफ बताया। लुकाशेंको का यह दौरा पाक-बेलारूस संबंधों को मजबूती देने के लिए अहम माना जा रहा था, लेकिन कश्मीर पर उनकी स्पष्ट नीति ने शरीफ सरकार की कूटनीतिक स्थिति को कमजोर कर दिया।

जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामले बढ़े

टोक्यो, एजेंसी। जापान में माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान देश भर के चिकित्सा संस्थानों में औसतन 2.84 मरीज मिले हैं। यह आंकड़ा पिछले सप्ताहों की तुलना में मामलों में वृद्धि दिखाता है। वर्तमान ट्रैकिंग प्रणाली शुरू होने के बाद से यह अब तक का उच्चतम आंकड़ा है। माइकोप्लाज्मा निमोनिया एक बैक्टीरियल इंफेक्शन (जीवाणु संक्रमण) है। यह इंफेक्शन ज्यादातर बच्चों में देखने को मिलता है। यह सांस के साथ निकलने वाली सूक्ष्म बूंदों से या करीबी संपर्क में आने से फैलता है। इसके लक्षणों में मरीजों को लगातार खांसी, बुखार, थकान और सिरदर्द जैसी परेशानी दिखाई देती है। इसके कई मामले बिना गंभीर जटिलताओं के ठीक हो जाते हैं। वहीं, कुछ मामले गंभीर निमोनिया में बदल सकते हैं जिसके लिए मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ सकती है।

फुकुई प्रान्त ने प्रति चिकित्सा संस्थान ने 8.83 मामलों के साथ उच्चतम क्षेत्रीय औसत की सूचना दी। उसके बाद आओमोरी (5.0), क्योटो (4.71) और होक्काइडो (4.59) का स्थान रहा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, टोक्यो और ओसाका जैसे प्रमुख शहरों में भी क्रमशः 4.32 और 3.17 की उच्च दर दर्ज की गई।

बांग्लादेश में हिंदू परिवार के 4 लोगों की निर्मम हत्या, गर्भवती महिला को भी नहीं छोड़ा

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के निरस्त होने के बाद से लगातार हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार हो रहे हैं। ताजा हिंसा किशोरगंज जिले के भैराब शहर में हुई है, जहां एक हिंदू परिवार के चार लोग एक अपार्टमेंट में मृत पाए गए। मृतकों की पहचान 32 वर्षीय जॉनी बिस्वास, उनकी गर्भवती पत्नी और उनके दो बच्चों के रूप में हुई है। पुलिस ने बुधवार को हत्या का मामला दर्ज किया।

पुलिस प्रशासन इस हत्याकांड को आत्महत्या की तरह पेश कर रहा है। स्थानीय पुलिस ने कहा है कि जॉनी ने अपनी पत्नी और बच्चों की हत्या करने के बाद खुद को भी मौत के घाट उतार लिया। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हम जांच कर रहे हैं। इस खौफनाक घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव की स्थिति बन गई है। आपको बता दें कि बांगलादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा में तेजी देखी जा रही है। अधिकारियों ने मामले की गहराई से जांच करने और समुदाय में बढ़ते डर को कम करने के लिए कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा है कि भारत विरोधी बयानबाजी और कट्टरपंथियों एवं आतंकवादी ताकतों को बढ़ावा देना परस्पर संबंधित रणनीतियां हैं, जिन्होंने बांग्लादेश को पूर्ण अराजकता की ओर धकेल दिया है। उन्होंने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लेदश की अंतरिम सरकार पर लोकतंत्र को भीड़तंत्र में तब्दील करने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद बिगड़े हालात के बाद अपना देश छोड़कर आए महमूद ने हाल ही में एक अज्ञात स्थान से टेलीफोन पर एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई को बताया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को खतरनाक करार दिया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी सहित चरमपंथी समूह सक्रिय हो गए हैं।

महमूद ने जोर देकर कहा कि हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमलों का घटनाक्रम एक चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह अल्पसंख्यक विरोधी भावना को दर्शाता है जो चरमपंथी बयानबाजी से मेल खाती है, जिससे धर्मनिरपेक्ष सिद्धांत एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा दोनों खतरे में पड़ रहे हैं। इस बीच, बांग्लादेश के चटगांव शहर में एक वकील की हत्या और एक प्रमुख हिंदू नेता की गिरफ्तारी को लेकर सुरक्षाकर्मियों पर हमला करने के आरोप में कम से कम 30 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

हांगकांग में समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवास का मिला अधिकार, शीर्ष अदालत ने दिया ऐतिहासिक फैसला

विक्टोरिया, एजेंसी। हांगकांग के शीर्ष अदालत ने बुधवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए समलैंगिक जोड़ों को विरासत और आवासों के अधिकार को बरकरार रखते हुए फैसला सुनाया। हांगकांग शीर्ष अदालत का ये फैसला समलैंगिक अधिकारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर है। भलेही हांगकांग समलैंगिक विवाह को कानूनी तौर पर मान्यता नहीं देता लेकिन अदालत के इस फैसले ने विदेशों में शादी करने वाले दो जोड़ों के पुराने मामले का खत्म किया।

न्यायाधीशों ने सरकार की नीति को बताया भेदभावपूर्ण : इस मामले में सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश एंड्रयू चेउंग ने कहा कि हांगकांग की आवास नीतियों में समलैंगिक विवाहित जोड़ों को बाहर रखना उचित नहीं है और कल्याण लाभों को बिना भेदभाव के वितरित किया जाना चाहिए। इसके साथ ही न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्टो रिबेरो ने भी सरकार की नीति को भेदभावपूर्ण बताते हुए उसे सही ठहराने में असफल पाया।

यहां ये हुई शुरू हुई हक की लड़ाई : अब कुछ समय पीछे चले तो एक मामला था

निक इनफिंगर का, जिन्होंने कनाडा में शादी की थी और हांगकांग में सरकारी आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन उनका आवेदन खारिज कर दिया गया था। जानकारी के अनुसार उन्होंने 2018 में हांगकांग की हाउसिंग अथॉरिटी के खिलाफ मुकदमा दायर किया और जीत हासिल की, लेकिन सरकार ने उस फैसले के खिलाफ अपील की। इसी तरह एक और मामला था एडगर एनजी का, जिन्होंने हांगकांग सरकार की नीति को जानते हुए कि उनके शादीशुदा पति को सरकारी आवास का हक नहीं है उन्होंने चुनौती दी। हलांकि 2020 में एनजी की मृत्यु हो गई और निचली अदालत ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया।

निक इनफिंगर ने जताई खुशी : न्यायाधीश जोसेफ फॉक और रॉबर्टो रिबेरो ने कहा कि सरकार उत्तराधिकार कानूनों में भेदभाव को सही ठहराने में नाकाम रही है और इसे गैरकानूनी और असंवैधानिक करार दिया। निक इनफिंगर ने हांगकांग की शीर्ष अदालत के फैसले पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि आज का निर्णय समलैंगिक जोड़ों के एक-दूसरे से प्यार करने और साथ रहने के अधिकार को मंजूरी देता है, जो बहुत महत्वपूर्ण है।

बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया भ्रष्टाचार मामले में बरी

यूएस वीजा अप्लाई करने अमेरिकन एंबेसी पहुंचीं, सीरियस हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रहीं

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश हाई कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया को भ्रष्टाचार के एक मामले में बरी कर दिया। इसके बाद खालिदा जिया यूएस वीजा एप्लिकेशन प्रोसेस पूरा करने ढाका में अमेरिकन एंबेसी पहुंची। जिया लंबे वक्त से लीवर, हार्ट और आंखों की गंभीर परेशानी से जूझ रही हैं। 79 साल की जिया को अनाथालय ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में स्पेशल कोर्ट ने पांच साल सुनाई थी, जिसके बाद उन्हें साल 2018 में ढाका सेंट्रल जेल भेज दिया गया। 30 अक्टूबर 2018 को हाई कोर्ट ने उनकी सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था। बाद में उन्हें जिया चैरिटेबल ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल की भी सजा सुनाई गई थी। अगले महीने ब्रिटेन से अमेरिका जा सकती हैं बीडीन्यूज24 की रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने जिया की अपील के आधार पर इस फैसले को पलट दिया। मामले में दो अन्य आरोपियों को भी बरी कर दिया। जिया अगले महीने की शुरुआत में ब्रिटेन जा सकती हैं, जहां से वो अमेरिका या जर्मनी में हाई मेडिकल ट्रीटमेंट की मांग कर सकती हैं। 17 साल बाद जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज कोरोना की वजह से जिया को जेल से अस्थाई तौर पर रिहा किया गया था। साल 2020 को उनकी सजा को इस शर्त पर निलंबित कर दिया गया था कि वो अपने घर में ही रहेंगी और देश नहीं छोड़ेंगी। कुछ महीने पहले ही खालिदा जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज किया गया है। उनके बैंक खातों पर 17 साल से रोक लगी हुई थी। एनबीआर के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल ने अगस्त 2007 में खालिदा जिया के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया था। चिन्मय प्रभु की रिहाई को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी वहीं दूसरी तरफ, बांग्लादेश में इस्कॉन धर्मगुरु चिन्मय कृष्ण दास प्रभु की गिरफ्तारी को लेकर जगह-जगह विरोध प्रदर्शन जारी हैं। प्रदर्शनकाारियों ने ढाका, चटगांव और दिनाजपुर सड़क पर जाम लगाया और नारेबाजी कर प्रभु की जल्द रिहाई की मांग की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चिन्मय दास प्रभु पर देशद्रोह और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का केस है।

इजराइल ने नेतन्याहू, गैलेंट के खिलाफ आईसीजे के वारंट की वैधता से इनकार किया

यरूशलम, एजेंसी। इजराइल ने पीएम नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार किया. इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक पोस्ट में कहा, इजराइल हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के प्राधिकार तथा प्रधानमंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री के विरुद्ध जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट की वैधता से इनकार करता है. आगे कहा गया. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जेरूसलम में प्रधानमंत्री कार्यालय में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम से मुलाकात की. सीनेटर ने उन्हें आईसीसी और इसके साथ सहयोग करने वाले देशों के खिलाफ अमेरिकी कांग्रेस में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी. हाल ही में हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया. इसमें उन पर मानवता के विरुद्ध अपराध और युद्ध अपराध का आरोप लगाया गया है. इन आरोपों में नागरिकों को निशाना बनाने और गाजा में भुखमरी की नीतियों को लागू करने के आरोप शामिल हैं. इजराइली प्रधानमंत्री द्वारा एक्स पर कई पोस्ट किए गए जिसमें यह भी उल्लेख किया गया कि कांग्रेस में प्रयासों के समानांतर इजरायल ने आईसीसी से गिरफ्तारी वारंट के कार्यान्वयन में देरी की मांग की. साथ ही न्यायालय में अपील करने का इरादा भी जताया. इजराइली प्रधानमंत्री के आधिकारिक अकाउंट में यह भी कहा गया, इजरायल की अपील की सूचना से विस्तार से

पता चलता है कि गिरफ्तारी वारंट जारी करने का निर्णय किस हद तक निराधार था और इसका कोई तथ्यात्मक या कानूनी आधार नहीं था. इसमें कहा गया है कि यदि आईसीसी अपील को खारिज कर दे, तो इससे अमेरिका और दुनिया भर में इजराइल के मित्रों को यह पता चल जाएगा कि आईसीसी इजरायल के प्रति कितना पक्षपाती है. इससे पहले व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव करिन जीन-पियरे ने एक प्रेस ब्रीफिंग में आईसीसी के निर्णय पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, हम वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अदालत के फैसले को मौलिक रूप से अस्वीकार करते हैं. उन्होंने वारंट प्राप्त करने में अभियोजक की जल्दबाजी की आलोचना की तथा प्रक्रियागत त्रुटियों की ओर ध्यान दिलाया, जिसके कारण यह परिणाम सामने आया. जीन-पियरे ने फिर से पुष्टि की थी, हम मूलतः इस बात को अस्वीकार करते हैं कि आईसीसी को इस स्थिति पर अधिकार है और इसलिए यह ऐसी बात है जिसके बारे में हम बहुत स्पष्ट हैं तथा आगे भी रहेंगे. यह बयान ऐसे समय में आया है जब आईसीसी द्वारा इजरायल के नेताओं पर लगाए गए आरोपों के बीच अमेरिका इजरायल के प्रति अपना समर्थन जारी रखे हुए है।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में नॉर्को-आर्डिनेशन मैकेनिज्म (एन०सी०ओ०आर०डी०) की बैठक आहूत

अवैध एवं नियमों के विरूद्ध कार्य करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त एवं दण्डात्मक कार्यवाही की जाये: जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) महात्मा गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में नॉर्को-आर्डिनेशन मैकेनिज्म (एन० सी० ओ० आर० डी०) की बैठक आहूत की गई। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने बैठक के दौरान क्रमवार सभी विभागों के से उनकी प्रगति जानी, जिसमें स्वास्थ्य विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि उनकी टीम स्कूलों में जाकर पता लगाया जा रहा है कि स्कूल के नजदीक नियमानुसार कोई नशीला पदार्थ तो विक्रम नहीं किया जा रहा है यदि ऐसा पाया जा रहा है तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही उक्त टीम को नशा के विरूद्ध उन्हें क्या क्या कार्य करने चाहिए उसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शिक्षा विभाग ने जानकारी दी कि उनके द्वारा स्कूलों में प्रार्थना के दौरान सभी को नशा ना करने के लिए शपथ दिलाई जाती है, साथ ही समय,समय पर छात्रों के साथ अभिभावकों को भी नशा के विरूद्ध एवं नशा से होने वाली हानियों एवं परेशानियों के बारे में

विस्तार से जानकारी दी जाती है। एडीएम सिटी गम्भीर सिंह ने बैठक में बताया कि नशा उन्मूलन एवं जनजागरूकता हेतु विशेष अभियान चलाये जा रहे है। नशा विरोधी जगरूकता अभियान के अन्तर्गत जागरूकता पखवाड़ा मनाते हुए उसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। स्कूल कॉलेजों में एक दिन आवश्यक रूप से नशे के विरूद्ध जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहे हैं जिसमें निबंध, वाद-विवाद, भाषण, चित्रकला आदि प्रतियोगिता आयोजित की जा रही हैं। गाजियाबाद क्षेत्र के सभी बस स्टेशनों पर उद्घोषणा यंत्र द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार तथा परिवहन निगम के अनुबन्धित ढाबों पर भी नशा मुक्ति से सम्बन्धित होर्डिंगस,बोर्ड लगाये जा रहे हैं। जनपद में संघन चैकिंग अभियान चलाकर अवैध मादक पदार्थो की तस्करी पर पूर्ण रूप से विराम लगाये जाने का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने कहा कि नशा की रोकथाम हेतु जो कार्य किये जा रहे हैं उनमें और अधिक सख्ती अपनाते हुए कार्य किया जाये। अवैध एवं नियमों के विरूद्ध कार्य करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त एवं दण्डात्मक कार्यवाही की जाये। बैठक में पुलिस विभाग, अर्थ सांख्यिकी विभाग, कृषि विभाग, जीआरपी, परिवहन, वन विभाग, यातायात, आबकारी विभाग, माध्यमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा, स्वास्थ्य विभाग सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारियों प्रतिनिधियों उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी गाजियाबाद, श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक

समयांतराल में गुणवत्तापूर्ण करें उद्योग बंधुओं की समस्याओं का समाधान: जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में जनपद के विभागीय अधिकारियों एवं औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधियों के साथ जिला स्तरीय उद्योग बंधु बैठक की गई। बैठक में स्वदेशी पॉलिटिक्स कंपाउंड कवि नगर गाजियाबाद में सब फायर स्टेशन बनाए जाने के संबंध में स्वदेशी पॉलिटिक्स द्वारा प्रस्तुत डीपीआर का एक सप्ताह के अंदर परीक्षण कर उपलब्ध कराए जाने हेतु मुख्य अग्निशमन अधिकारी गाजियाबाद को निर्देशित किया गया तथा आगामी उद्योग बंधु बैठक में उक्त की प्रगति प्रस्तुत किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। सौर ऊर्जा मार्ग ब्रिज विहार स्थित पुलिया के निर्माण के संबंध में अधीक्षण अभियंता विद्युत नगरीय वितरण मंडल गाजियाबाद द्वारा अवगत कराया गया कि पुलिया के निर्माण से पूर्व विद्युत लाइन शिफ्टिंग का कार्य 15 दिसंबर को प्रारंभ कर दिया जाएगा एवं लगभग 01 माह में पूर्ण हो जाएगा। जिलाधिकारी द्वारा उक्त की पुष्टि किए जाने हेतु साहिबाबाद औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधि श्री संजीव त्यागी को करने हेतु निर्देशित किया गया। औद्योगिक क्षेत्र में अवैध रूप से खड़े वाहनों पर आरटीओ प्रवर्तन एवं पुलिस विभाग को नियमित रूप से चालान किए जाने तथा बैठक में उपस्थित ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियो को भी निर्देशित किया गया कि वे अपने वाहनों को रोड साइड में खड़ा करवाए तथा स्थाई रूप से कोई भी वहां सड़कों पर खड़ा ना किया जाए। जिलाधिकारी द्वारा ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों को जनपद में ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना हेतु गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। औद्योगिक क्षेत्र एसएससी जीडी रोड, गाजियाबाद में विद्युत विभाग द्वारा कराई जा रहे हैं विद्युत अवस्थाना सुधार संबंधी कार्यों के पूर्ण कार्य जाने तथा से शेष कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराए जाने के संबंध में औद्योगिक संगठनों द्वारा विद्युत विभाग की प्रशंसा की गई। जिलाधिकारी द्वारा शेष कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण करते हुए प्रगति से अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया। ईएसआईसी अस्पताल साहिबाबाद में उपलब्ध सुविधाओं एवं श्रमिकों एवं मरीजो को दिए जाने वाले उपचारके संबंध में स्पष्ट जांच कर आख्या उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद को निर्देशित किया गया। दिल्ली सहारनपुर रोड पर लोक निर्माण विभाग द्वारा कराई जा रहे पेचवर्क एवं डामरीकरण के कार्य पर जिलाधिकारी द्वारा असंतोष व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग को उक्त सड़क एवं नल की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए इसका स्थाई समाधान निकाल कर नए एस्टीमेट बनाए जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं उक्त एस्टीमेट को शासन को प्रस्तुत किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। ट्रोनिका सिटी लोनी औद्योगिक क्षेत्र में फायर स्टेशन की स्थापना के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा उप महाप्रबंधक यूपीएसआईडीए को अग्निशमन केंद्र की स्थापना हेतु एस्टीमेट तैयार कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। सिखेड़ा रोड औद्योगिक क्षेत्र में 500 मी खंडजे के निर्माण के संबंध में जिला पंचायत द्वारा किए जा रही टेंडर प्रक्रिया में उत्पन्न एफडीआर वेरिफिकेशन की समस्या के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत परिषद के प्रतिनिधि को संबंधित बैंकों के संपर्क नंबर एवं प्रकरण का विवरणअग्रणी जिला प्रबंधक एवं उपायुक्त उद्योग को उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। शिबली औद्योगिक क्षेत्र नियर गंगा नहर मुरादनगर की मुख्य सड़क के निर्माण के संबंध में जिला पंचायत परिषद के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त सड़क एवं नालियों के निर्माण हेतु एस्टीमेट तैयार कर लिया गया है जो आगामी बोर्ड बैठक में रखकर स्वीकृत कराया जाएगा। नगर पालिका परिषद मुरादनगर द्वारा का निर्धारण एवं नामांतरण अप विधि 2018 सरकारी रिजल्ट उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रकाशित शासनादेश के क्रम में गृह कर की दरें नए शासनादेश के अनुसार ही जमा किया जाय तथा डॉक्टर टैक्स को जमा करने की अवधि 31 दिसंबर 2024 तक निर्धारित की गई। जिलाधिकारी द्वारा औद्योगिक संगठन के अनुरोध पर उनका हाउस टैक्स शीघ्र जमा कराए जाने हेतु अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुरादनगर को निर्देशित किया गया। नगर निगम से संबंधित सफाई व्यवस्था एवं कूड़ा उठान आदि समस्याओं पर जिलाधिकारी गाजियाबाद द्वारा उनकी ओर से नगर आयुक्त नगर निगम को पत्र प्रेषित किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। इज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत संचालित निवेश मित्र पोर्टल पर समय सीमा उपरांत लंबित प्रकरणों पर जिलाधिकारी द्वारा असंतोष प्रकट करते हुए कड़े निर्देश दिए गए कि सभी विभाग निर्धारित समय अंतर्गत प्रकरणों का निस्तारण करना सुनिश्चित करें, जनपद की रैंकिंग प्रभावित होने पर संबंधित अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाएगा। अंत में जिलाधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों को सभी प्रकरणों पर अनुपालन आख्या उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया तथा बैठक में प्रतिभाग हेतु धन्यवाद प्रकट करते हुए बैठक का समापन किया गया। बैठक का संचालन उपायुक्त उद्योग, श्रीनाथ पासवान द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गाजियाबाद के सहायक पर्यावरण अभियंता के संतोष, लोक निर्माण विभाग के प्रतिनिधि, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधि, अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल गाजियाबाद, क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण गाजियाबाद, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम लिमिटेड, उपमहा प्रबंधक यूपीएसआईडी ए गाजियाबाद, सहायक आयुक्त खाद्य विभाग गाजियाबाद, औषधि निरीक्षक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन गाजियाबाद, परियोजना अधिकारी यूपीएसआइडीए ट्रॉनिका सिटी, परियोजना अधिकारी डूडा, जिला पंचायत परिषद गाजियाबाद, अधिशासी अभियंता, सिविल, नगर निगम गाजियाबाद एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों तथा औद्योगिक संगठन के पदाधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

मतदान दलों का प्रस्थान, वापसी, ई०वी०एम० का स्ट्रांग रूम तथा मतगणना की कार्यवाही कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जन सुविधा केन्द्र में करायी जायेगी सम्पन्न

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। श्री इन्द्र विक्रम सिंह जिला मजिस्ट्रेट / जिला निर्वाचन अधिकारी (न०नि०) गाजियाबाद द्वारा पत्र जारी करते हुए आदेश दिए कि मा० राज्य निर्वाचन आयोग उ०प्र० लखनऊ की अधिसूचना के द्वारा नगर निगम गाजियाबाद के वार्ड सं० 19 व 21 के रिक्त पार्षद पद के उपनिर्वाचन हेतु अधिसूचना जारी करते हुए समय सारणी निर्धारित की गयी थी, नगर निकाय उपनिर्वाचन को सुचारू रूप से सम्पन्न कराये जाने हेतु मतदान दलों का प्रस्थान, वापसी, ई०वी०एम० का स्ट्रांग रूम तथा मतगणना की कार्यवाही कलेक्ट्रेट परिसर स्थित जन सुविधा केन्द्र में सम्पन्न करायी जायेगी। तदानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

गाजियाबाद लोगों में जागरूकता के लिए एक प्रोग्राम का आयोजन किया गया

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) इंडियन ऑयल ,भारत गैस, और एचपी गैस तीनों कंपनियों के सौजन्य से हिंदी भवन गाजियाबाद में आयोजित किया गया । जिसका मुख्य उद्देश्य है लोगों में जागरूकता फैलाना इस प्रोग्राम को ₹हमारी रसोई हमारी जिम्मेदारी₹ स्लोगन के साथ इस कार्यक्रम में आए हुए सभी लोगों को वह उज्वला के लाभार्थियों को उससे होने वाले फायदे और नुकसान के बारे में जागरूक किया गया । मंच का संचालन इंडियन ऑयल के फील्ड ऑफिसर दीपक राज द्वारा किया गया। इस प्रोग्राम में मुख्य अतिथि डीएसओ गाजियाबाद अमित तिवारी जी रहे । उन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए लोगों को सरकार की योजनाओं के बारे में अवगत कराया और सरकार

द्वारा मुफ्त मिल रहे सिलेंडरों की जानकारी व अन्य योजनाओं की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में कुछ वितरको ने खाने के स्टॉल लगाकर व्यंजन का स्वाद ही चखाया । इसी बीच एक महिला गंगा देवी ने अपनी व्यथा डीएसओ के साथ साझा कर अपना गैस कनेक्शन और राशन कार्ड बनवाने का आग्रह किया जिसे मुख्य अतिथि ने तुरंत स्वीकार कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया और और सभी कंपनियां के ऑफिसर्स को लोगों तक जानकारी पहुंचाने में सहयोग के लिए भी कहा ताकी सरकार द्वारा चलाई जा रही है योजनाओं का लाभ जन जन तक पहुंच सके। और स्वादिष्ट बने व्यंजनों में से कुछ स्टॉल की गृहणीयों को भी पुरस्कृत किया गया । और साथ ही डिलीवरी मैन को भी पुरस्कृत किया गया।

सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद भी GRAP-4, के नियम की धज्जियां उड़ा रहा है निगम : डॉ बी पी त्यागी

गाजियाबाद (आशा चौधरी) प्रदूषण से लोग बेहाल हैं, जिसके चलते दिल्ली एनसीआर में सुप्रीम कोर्ट की दखल अंदाजी के बाद GRAP-4, का नियम लगाया गया है। और साथ ही राज्य सरकारों को सख्त आदेश दिए गए हैं कि ऐसे में GRAP-4, के नियमों का पालन कराया जाए। लेकिन गाजियाबाद में इसकी तस्वीर बिल्कुल उलट है गाजियाबाद में नगर निगम निर्माण जैसे कार्यों में तो लगा है। जबकि GRAP-4, में किसी भी तरह का निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता। क्योंकि निर्माण कार्य के दौरान एयर पॉल्यूशन इन संभावनाओं से और ज्यादा बढ़ जाता है। लेकिन उसके बावजूद भी गाजियाबाद के राजनगर सेक्टर 14 में नगर निगम के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसकी वीडियो अब सोशल मीडिया पर जोर-शोर से वायरल हो रही है। अब ऐसे में नगर निगम विभाग पर

भी सवालिया निशान खड़ा होता है कि अगर वह सरकार में रहते हुए सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवहेलना करेंगे तो आम आदमी से क्या उम्मीद की जा सकती है..? इस पूरे मामले की डॉक्टर बीपी त्यागी ने वहां पर काम कर रहे लोगों से बात कर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल की है। जिसके बाद से यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। मीडिया को बाइट जारी करते हुए डॉक्टर बीपी त्यागी ने ग्रेप 4- से आमजन को होने वाले नुकसान पर चिंता जाहिर की है।

उत्तर प्रदेश आई एम ए का वार्षिक चिकित्सा सम्मेलन इस वर्ष गाजियाबाद शाखा द्वारा 30 नवम्बर एवं 1 दिसंबर 2024 को आयोजित किया जा रहा है।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) सम्मेलन के लिए पूरे प्रदेश के 500 से अधिक आई.एम्.ए के चिकित्सक भाग लेंगे । प्रदेश आई.एम.ए के निमंत्रण पर आई एम ए के हेड कुवार्टर नई दिल्ली, के प्रतिनिधि मंडल, महासचिव डॉक्टर अनिल कुमार जय नायक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर शरद अग्रवाल के सम्मलित होने की स्वीकृति से इसमें चार चाँद लगने जा रहे है। उत्तर प्रदेश मेडिकल काउलिंग द्वारा ₹6 क्रेडिट आवर्स₹ प्रदान किये जाना इसकी चिकित्सीय महत्ता का घोतक है।इस से चिकित्सा सम्मेलन में दो दिनो तक 20 व्याख्यानो प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है जो लगभग 20 घन्टे का रहेगा। इन प्रशिक्षण कार्यशालो में प्रशिक्षण हेतू 200 चिकित्सा विध्यार्थी रजिस्ट्रेई हो चुके हैं। इनमें प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एन सी आर के 40 बेस्ट ट्रेनर्स भाग लेंगे। इस दौरान आई एम ए यूपी स्टेट की नई टीम भी शपथ लेगी । व्याख्यानों में मेडिको लीगल विषय पर चर्चा होनी है, आई एम ए की सरकारी कार्यक्रमों में भागीदारी बढाने के विषय पर चर्चा आयोजित है। आओ गाँव चलेकार्यक्रम में भागी दारी की समीक्षा के साथ-साथ 30 अन्य राष्ट्रीय एवं राजकीय चिकित्सा कार्यकर्मों में आई.एम.ए की भागीदारी प्रगाढ़ करने पर विचार विमर्श प्रस्तावित है। नई आई एम ए मम्बर्स को आई एम ए की कार्य शैली से अवगत कराते है नई मैम्बर्स को जोडने पर बल दिया जायेगा । इस सम्मेलन में हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ के चिकित्सा जगत में सहयोग एवं समर्थन के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पास किया जायेगा ।डॉक्टर राजीव गोयल, डॉक्टरअमिताब गोयल आईएमए यूपी राज्य संरक्षक- डॉ. शरद कुमार अग्रवाल प्रदेश अध्यक्ष आईएमए यूपी- डॉ. एम.एम. पालीवाल इम्. पूर्व अध्यक्ष आईएमए यूपी- डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव आईएमए यूपी के निर्वाचित अध्यक्ष- डॉ. पी.के. अग्रवाल सम्मेलन अध्यक्ष आईएमए यूपी- डॉ. प्रदीप सिंह प्रिये. राज्य सचिव आईएमए यूपी- डॉ. वी.बी. जिंदल वित्त सचिव आईएमए यूपी - डॉ. आशीष अग्रवाल संयुक्त. सचिव आईएमए यूपी (सम्मेलन स्थल)- डॉ. डी.पी. सिंह अध्यक्ष आईएमए गाजियाबाद - डॉ. राजीव गोयल अध्यक्ष निर्वाचित आईएमए गाजियाबाद - डॉ. अल्पना कंसल उपाध्यक्ष आईएमए गाजियाबाद डॉ. प्रहलाद चावला सचिव आईएमए गाजियाबाद - डॉ. सार्थक केसरवानी,कोषाध्यक्ष आईएमए गाजियाबाद - डॉ. राजीव कुमार सम्मेलन के सह-आयोजन अध्यक्ष डॉ. शलभ गुप्ता डॉ. अरुण कुमार,सम्मेलन संयोजक डॉ. संतोष कुमार अग्रवाल,सम्मेलन सह संयोजक - डॉ. आनंद प्रकाश डॉ. अर्चना शर्मा

लम्बित कार्य : कारण सहित रिर्पोट प्रस्तुत करें सम्बंधित अधिकारी: जिलाधिकारी

कोई भी कार्य लम्बित ना रहने पाएं, इस बात का रखा जाये विशेष ध्यान: जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) सीएमआईएस पोर्ट पर प्रदर्शित रुपए 1 करोड़ से अधिक लागत की परियोजनाओं की समीक्षा बैठक महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में आहूत हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी महोदय द्वारा सभी परियोजनाओं की समीक्षा की गयी। जिन परियोजनाओं का कार्य लम्बित है, सम्बंधित कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों पर रोष व्यक्त करते हुए कड़े शब्दों में निंदा की गयी। उन्होने कहा कि उक्त कार्य को त्वरित कार्यवाही करते

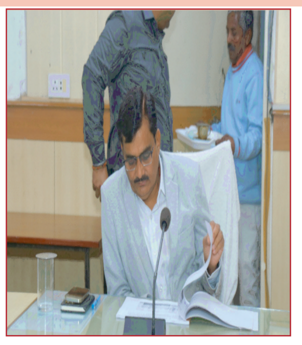

हुए पूर्ण किया जाए। कार्यदायी संस्थाओं में उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0, उ0पग0राजकीय निर्माण निगम लि0, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, एचएससीसी (इंडिया) लि0, उत्तर प्रदेश जल निगम (अरबन) निर्माण, सी0एण्डडी0 एसओयू–31, सी0एण्डडी0 एसओयू–45, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, यू0पी0 स्टेट कन्ट्र0 एण्ड इन्फ्रा0 डवलपमेंट कारपोरेशन लि0, नगर पालिका परिषद लोनी द्वारा कुछ परियोजनओं के कार्य समयान्तराल में पूर्ण नहीं किये गये जिसके लिए जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिक लम्बित परियोजनाओं की कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से परियोजनाओं के पूर्ण कराने का समय मांगा गया और कार्य के लम्बित होने का कारण सहित रिर्पोट प्रस्तुत करने के आदेश दिये। जिलाधिकारी महोदय ने कहा कि यदि उक्त समय तक कार्य पूर्ण नहीं किया गया तो उनके खिलाफ नियमानुसार कार्य की जायेगी।

दिल्ली की सबसे बड़ी कॉन्फ्रेंस में आज हुआ मेंस्टुअल हेल्थ और हाइजीन पर एक पब्लिक फोरम।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) मेंस्टुअल हेल्थ हमेशा से एक ऐसा विषय रहा है जिस पर लोग खुल कर बात नहीं करते है। मगर दूसरी ओर कई संस्थाएं इस पर काफी कार्य कर रही हैं। डॉ शहला जमाल ने इस फोरम का संचालन करते हुए कहा कि डॉक्टर्स के लिए पब्लिक का जुड़ना बहुत अहम है। डॉ जमाल सोसायटी ऑफ मेंस्टुअल डिसऑर्डर्स एंड हाइजीन मैनेजमेंट की प्रेसिडेंट हैं। A O G D के प्रेसिडेंट डॉ अशोक कुमार ने इस फोरम की अध्यक्षता की और सभी डॉक्टर्स को इस मुहिम से जुड़ने का निमंत्रण दिया। डॉ नेहा मिश्रा और डॉ सुरभि सिंह ने मेंस्टुअल हेल्थ पर कई सवालों के जवाब दिए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ मालविका सभरवाल और डॉ कमल बक्शी रही और उन्होंने इस प्रयास की प्रशंसा की। प्रोग्राम में मिस मणिका , एडिशनल सेशंस जज स्पेशल गेस्ट रही और उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण अध्याय बताया। उनके साथ डॉ माधुरी पटेल, सेक्रेटरी जनरल F O G S I, डॉ पूजा देवन, मिस इंडिया , डॉ इंदु चावला, डॉ अनिता सभरवाल डॉ कामना दत्ता, डॉ जय चावला भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के द्वारा मेंस्टुअल हाइजीन पर विचार साझा किए गए और इसका समापन मेंस्टुअल सेफ्टी वॉक के द्वारा हुआ। इस आयोजन में HealthTravoके फाउंडर और को-फाउंडर्स मिस्टर दुश्यंत चौहान, मिस्टर महिम शर्मा और मिस्टर रवि प्रकाश ने अपनी स्टार्टअप पहल का प्रतिनिधित्व किया। यह आयोजन AOGD के सहयोग और IOTA Diagnostics के फाउंडर मिस्टर वैभव शिटोले तथा Doctors on Duty के फाउंडर डॉ. श्रेय श्रीवास्तव की साझेदारी में हुआ। सभी ने महिलाओं के स्वास्थ्य और हाइजीन में नवाचार को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

भारतीय किसान संगठन के नेतृत्व में ग्राम इकला प्याऊ मन्दिर पर सनसिटी बिल्डर से प्रभावित गांवों की पंचायत का आयोजन हुआ।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद आज दिनांक 29/11/2024 को भारतीय किसान संगठन के नेतृत्व में ग्राम इकला प्याऊ मन्दिर पर सनसिटी बिल्डर से प्रभावित गांवों की पंचायत का आयोजन हुआ। पंचायत की अध्यक्षता बालेश्वर प्रधान ने की। पंचायत में सन सिटी बिल्डर द्वारा गांवों की जमीन को बंधक बनाने के साथ ही किस तरह से इन इस समस्या से किसान निजात पाए जैसे गम्भीर विषयों पर चर्चा हुई। भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र यादव ने बताया कि जब सन सिटी बिल्डर का डीपीआर ही पास नहीं है तो, बिल्डर को अधिकार नहीं है किसानों की जमीन को बंधक बनाने का, किसान जब बिल्डर का डीपीआर पास हो जाएगा तब ही नए तरीके से बिल्डर से करार करेंगे। राजेन्द्र यादव ने कहा कि किसानो के पास जमा पूंजी के नाम पर सिर्फ जमीन होती है, जिसे अपनी हर जरूरत में काम में लाता है। आज किसान अगर अपनी जरूरत में जमीन बेचने

सन सिटी बिल्डर के कार्यालय जाता है तो बिल्डर जमीन लेने से मना कर देता है, साथ ही अपने द्वारा निर्धारित लोगों के पास भेज देता है, जहां किसान की मजबूरी का फायदा उठाकर ओने पौने दाम पर अपनी जमीन मजबूरी में बेचने को मजबूर हो जाता है। किसानो को 8% प्लाट का प्रावधान हो, गांवों का विकास शहर के तर्ज पर होना चाहिए। ऐसी मांगो के साथ भारतीय किसान संगठन आंदोलन करेगा। भारतीय किसान संगठन के जिला अध्यक्ष लोकेश नागर ने कहा कि किसानो के साथ तरह तरह के छल सन सिटी बिल्डर के कार्यालय में हो रहे हैं, जमीन किसान से कम रेट लेकर कुछ लोग ऊंचे दर पर बेचने का खेल चला रहे है। जल्द ही भारतीय किसान संगठन बिना डीपीआर पास हुए बिल्डर द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों को रोकेगा। भारतीय किसान संगठन गांव गांव में जन जागरूक अभियान चलाएगा। जिससे बिल्डर के साथ नए तरीके से करार पर काम किया जाए। बहुत जल्द ही सन सिटी बिल्डर से प्रभावित किसानों की समस्याओं पर जिला अधिकारी गाज़ियाबाद को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस मौके पर महेन्द्र प्रधान, अमित यादव, अनमोल यादव, राजेश, कृष्ण,शहजाद, कारी अहमद मदनी, हसीन चौधरी, व बिजेंद्र शर्मा, बाबू नागर, आदि लोग मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप तलवार यशोदा अस्पताल में भर्ती

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप तलवार नेहरु नगर स्थित यशोदा अस्पताल में भर्ती हैं। दो दिन पूर्व घर में ही चलते हुए अचानक पैर फिसलने के कारण गिर जाने से उनके दाएं पैर में फ्रैक्चर आ गया था।

कुलदीप तलवार का इलाज कर रहे यशोदा अस्पताल केज हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विपिन त्यागी का कहना है कि उनके पैर का ऑपरेशन सफलता पूर्वक कर दिया गया है, लेकिन उन्हें अभी कुछ दिन अस्पताल में रखा जाएगा, ताकि अन्य आवश्यक उपचार किया जा सके। उम्मीद जताई जा रही है, अगले सप्ताह उन्हें अस्पताल से घर भेज दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011